दिव्य दिनकर

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक निडर सच का दर्पण

रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 12 अकं :241 रांची (झारखंड) शुक्रवार,13 जून 2025 पेज - 08 मूल्य: 2 RNI NO- JHAHIN/2013/54373

29 जून को 'चलो जंतर-मंतर' आंदोलन : झुग्गी तोड़े जाने के विरोध में 'आप' करेगी प्रदर्शन

नई दिल्ली, 12 जून (आईएएनएस)। राजधानी दिल्ली में झुग्गी बस्तियों और गरीबों के घरों को तोड़े जाने का आरोप लगाते हुए आम आदमी पार्टी (आप) ने बड़ा आंदोलन छेड़ने का ऐलान किया है। पार्टी ने चलो जंतर-मंतर नामक एक बड़े विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया है, जो 29 जून को सुबह 10 बजे जंतर-मंतर पर होगा।

पार्टी के मुताबिक, इस प्रदर्शन का उद्देश्य दिल्ली की झुग्गी बस्तियों को बुलडोजर कार्रवाई से बचाना और गरीबों को बेघर होने से रोकना है। आम आदमी पार्टी के अनुसार, दिल्ली में अवैध बताकर कई झुग्गी बस्तियों को उजाड़ा जा रहा है, जिससे हजारों गरीब परिवारों का जीवन संकट में आ गया है। पार्टी ने भाजपा शासित दिल्ली सरकार पर आरोप लगाया है कि वह गरीब विरोधी नीतियों के तहत झुग्गियों को बलपूर्वक हटा रही है, जबकि पहले यह दावा किया गया था कि एक भी झुग्गी नहीं टूटेगी।

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने कहा है कि अब समय आ गया है कि जनता एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करे। इसी क्रम में आप ने 29 जून को व्यापक धरना प्रदर्शन की योजना बनाई है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व, जिसमें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के भी शामिल होने की संभावना है, इस प्रदर्शन में भाग लेंगे।

आप ने इसके साथ ही एक बड़े जनसंपर्क अभियान की भी घोषणा की है। पार्टी कार्यकर्ता झुग्गी बस्तियों में घर-घर जाकर लोगों से संवाद करेंगे और उन्हें आंदोलन से जोड़ने की कोशिश करेंगे। खासकर उन झुग्गियों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिन्हें हाल ही में तोड़ा गया है, साथ ही उन इलाकों में भी अभियान चलाया जाएगा, जहां जल्द ही कार्रवाई की आशंका है।

आम आदमी पार्टी का कहना है कि यह आंदोलन सिर्फ झुग्गीवालों का नहीं, बल्कि हर उस नागरिक का है जो गरीबों के साथ न्याय चाहता है। पार्टी का दावा है कि अगर मिलकर आवाज नहीं उठाई गई, तो आने वाले दिनों में और भी कई बस्तियां उजाड़ दी जाएंगी।

महागठबंधन की बैठक का कुछ भी परिणाम नहीं निकलने वाला है : भाजपा

पटना बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने तैयारियां शुरू कर दी है। इस दौरान राजनीतिक दलों की बैठक भी शुरू हो गई हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को महागठबंधन की पटना में एक बैठक होने वाली है। इस बैठक को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, भाजपा इस बैठक को ज्यादा अहमियत नहीं दे रही है। भाजपा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल कहते हैं कि इस बैठक से कुछ निकलने वाला नहीं है।

दरअसल, महागठबंधन की चौथी बैठक तेजस्वी यादव के सरकारी आवास पर होगी। कहा जा रहा है कि इस बैठक में सीट बंटवारे, चुनावी रणनीति और मुख्यमंत्री पद के चेहरे पर भी चर्चा हो सकती है।

इस बैठक में राजद, कांग्रेस सहित अन्य घटक दल के नेता भी शामिल होंगे। इस बैठक को लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि अब तक महागठबंधन की जितनी बैठकें हुई हैं, उनमें दिखा है कि राजद और कांग्रेस में इस बात को लेकर मुकाबला है कि किसका पलड़ा भारी है। इस बैठक का कुछ भी परिणाम नहीं निकलने वाला है। यह दिखाने के लिए बैठक है। इस बैठक में कुछ भी नहीं होना है। इस बैठक में समन्वय समिति के सदस्यों के साथ ही सभी उप समितियों के सदस्य भी मौजूद रहेंगे। बैठक में राजद से तेजस्वी प्रसाद यादव, अब्दुल बारी सिद्दीकी, संजय यादव, आलोक मेहता, कांग्रेस के बिहार प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारु, विधायक दल के नेता शकील अहमद खान, डॉ. मदन मोहन झा के अलावा वामपंथी दल के प्रमुख नेता तथा विकासशील इंसान पार्टी से मुकेश सहनी के मौजूद रहने की उम्मीद है।

इससे पहले महागठबंधन की तीन बैठक हो चुकी हैं। तेजस्वी यादव को महागठबंधन समन्वय समिति का अध्यक्ष बनाया गया था। हालांकि, अब तक महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री उम्मीदवार को लेकर कोई फैसला नहीं हुआ है।

भाजपा ने बांग्लादेश में रवींद्रनाथ टैगोर के पैतृक घर पर हमले की निंदा की, पात्रा बोले- यूनुस सरकार का व्यवहार उचित नहीं

नई दिल्ली. भारतीय जनता पार्टी ने बांग्लादेश में रवींद्रनाथ टैगोर के घर को निशाना बनाए जाने की घटना की निंदा की है। बांग्लादेश की सरकार पर हमला बोलते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार है, उसका व्यवहार उचित नहीं है। अभी तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि विषय गंभीर है और बांग्लादेश से जुड़ा हुआ है। शुरुआत में ही स्पष्ट करना चाहता हूं कि हम किसी अंतरराष्ट्रीय डोमेन में घुसपैठ नहीं कर रहे हैं, लेकिन यह रवींद्रनाथ टैगोर का विषय है, इसलिए यह भारत के हृदय के निकट का विषय है। भाजपा इसे बहुत गंभीरता और संवेदनशीलता से लेती है।

संबित पात्रा ने कहा, मंगलवार को बांग्लादेश में स्थित रवींद्रनाथ टैगोर के पैतृक घर पर हमला हुआ और उसे क्षति पहुंचाई गई। रवींद्रनाथ टैगोर के दादा द्वारकानाथ टैगोर ने 1840 में ढाका से करीब 125 किमी दूर सिराजगंज में एक दो मंजिला घर बनाया, जिसे कचहरीबाड़ी कहा जाता है। रिपोर्ट से पता चला है कि उनके घर पर जो हमला हुआ, वह जमात-ए-इस्लामी और हिफाजत-ए-इस्लाम संगठन के लोगों ने किया। यह हमला योजनाबद्ध तरीके से किया गया। 5-6 दिन से योजना बन रही थी। रवींद्रनाथ टैगोर के घर पर हमला करके ऐसे लोग विश्व को एक संदेश देना चाह रहे थे।

उन्होंने कहा कि गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर कोई आम शख्सियत नहीं थे। वो ऐसे व्यक्ति थे, जो सीमाओं से नहीं बंधे थे। उन्होंने दो राष्ट्रों के राष्ट्रगान को लिखा। भारत के राष्ट्रगान जन-गण-मन को रवींद्रनाथ टैगोर की कलम ने ही संजोया और बांग्लादेश के राष्ट्रगान को भी उन्होंने ही लिखा। बांग्लादेश सरकार ने कचहरीबाड़ी (रवींद्रनाथ टैगोर का पैतृक घर) को पहले एक सरकारी म्यूजियम के रूप में घोषित किया था। अब इसे ध्वस्त किया गया है। मैं कहना चाहूंगा कि मौजूदा बांग्लादेश सरकार का व्यवहार उचित नहीं है। इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय स्मारक को बचाकर नहीं रखा जा सका। यह बहुत खराब संदेश पूरे विश्व में जाता है। हम बांग्लादेश सरकार के व्यवहार की निंदा करते हैं।

राजा रघुवंशी हत्याकांड : मौत को एक्सीडेंट दिखाना चाहती थी सोनम, पुलिस जांच में चौंकाने वाले खुलासे

शिलांग. मध्य प्रदेश के इंदौर के कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए पुलिस एक-एक कड़ी जोड़ रही है। इस बीच सामने आया है कि सोनम रघुवंशी की मंशा राजा की मौत को एक्सीडेंट या सुसाइड बताने की थी। राजा की मौत के एक घंटे बाद उसके सोशल मीडिया अकाउंट से कथित तौर पर एक पोस्ट किया गया था। इसे लेकर पुलिस का शक सोनम की भूमिका पर भी गहराया है।

बताया जाता है कि राजा रघुवंशी की मौत दिन में लगभग एक से डेढ़ बजे के बीच हुई थी, जबकि राजा के सोशल मीडिया अकाउंट से दोपहर 2 बजकर 15 मिनट पर एक पोस्ट किया गया। आशंका है कि राजा के फोन से पोस्ट करने के बाद कथित तौर पर सोनम ने राजा के साथ खाई में उसका फोन भी फेंक दिया। फिलहाल, राजा रघुवंशी की पत्नी सोनम रघुवंशी समेत 5 आरोपी पुलिस की गिरफ्त में हैं। इन आरोपियों के एक दूसरे से कनेक्शन के साथ पूरे घटनाक्रम में सोनम की भूमिका को लेकर कई तरह के सवाल हैं। ऐसे में मेघालय पुलिस हर सवाल को समझने के लिए आरोपियों से लगातार पूछताछ कर रही है। राजा रघुवंशी केस में बुधवार को पुलिस के लिए सबसे बड़ी सफलता ये रही कि सोनम अपना जुर्म कबूल कर चुकी है। हालांकि, मेघालय पुलिस की एसआईटी के पास ऐसे 13 सवाल हैं, जिनका जवाब पूछताछ के दौरान सोनम से जानने की कोशिश की गई। सोनम से पूछताछ में पता करने की कोशिश की गई कि उसने और राजा ने मेघालय का हनीमून कब प्लान किया था? वापसी की टिकट क्यों नहीं बुक की गई थी? क्या ये पहले से योजना का हिस्सा था? इसके अलावा मेघालय पुलिस ने सोनम से जानने की कोशिश की कि क्या वो शादी से पहले राज कुशवाह को जानती थी, क्योंकि उनके बीच लगातार संपर्क के सबूत हैं।

Ahmedabad Plane Crash

एयर इंडिया का प्लेन क्यों हुआ क्रैश, सामने आई वजह, 242 लोग थे सवार, एयरपोर्ट के पास धुएं का गुबार

गुजरात में बड़ा विमान हादसा हुआ है. अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरने वाले एयर इंडिया का विमान टेकऑफ के कुछ ही देर बार क्रैश हो गया. विमान का पिछला हिस्सा किसी चीज से टकराने और इंजन में आई खराबी की वजहें बताई जा रही हैं. जांच के बाद ही असल वजह की पुष्टि हो सकेगी.

अहमदाबाद. अहमदाबाद में बाड़ा हादसा हुआ है. एयरपोर्ट से टेकऑफ के दौरान एयर इंडिया का प्लेन क्रैश हो गया है. प्रारंभिक जांच में विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की वजह सामने आई है. बताया जा रहा है कि प्लेन का पिछला हिस्सा यानी टेल के टकराने से यह हादसा हुआ है. कुछ रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि विमान के इंजन में अचानक खराबी आ गई, जिस वजह से यह हादसा हुआ. प्लेन में 242 लोग सवार थे. एयर इंडिया का यह प्लेन अहमदाबाद से टेकऑफ करने के बाद लंदन के लिए रवाना हुआ था. दुर्घटनास्थल पर धुएं के गुबार को देखा जा सकता है. हादसे के बाद केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने गुजरात के मुख्यमंत्री, राज्य के गृह मंत्री और अहमदाबाद के पुलिस कमिश्नर से फोन पर बात कर हालात के बारे में जानकारी हासिल की है. अमित शाह ने हर तरह की मदद का भरोसा दिलाया है.

अहमदाबाद में लंदन जा रहे विमान के क्रैश होने से बड़े पैमाने पर नुकसान होने का अंदेशा है. दुर्घटनास्थल पर धुएं के गुबार को स्पष्ट तौर पर देखा जा सकता है. प्लेन क्रैश की सूचना मिलते ही मौके पर एमर्जेंसी सर्विसेज की टीम पहुंच गई और प्रभावितों को मलबे से निकालकर उन्हें मेडिकल सेवा मुहैया कराने की कोशिश की जा रही है. विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिलते ही पूरा अमला हरकत में आ गया और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया. वहीं, दुर्घटनास्थल पर अफरातफरी का माहौल बन गया.

प्लेन क्रैश की डिटेल

12 जून 2025 को मेसर्स एयर इंडिया क्र87 विमान VT-ANB (अहमदाबाद से गैटविक के लिए) उड़ान AI-171 का संचालन करते समय अहमदाबाद से उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया. विमान में 2 पायलट और 10 केबिन क्रू सहित 242 लोग सवार थे. विमान की कमान कैप्टन सुमीत सभरवाल के पास फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर के साथ थी.

हाइलाइट्स

- अहमदाबाद में बड़ा विमान हादसा, लंदन के लिए रवाना हुआ था एयर इंडिया का प्लेन
- विमान में कुल 242 लोग थे सवार, एयरपोर्ट के पास देखा गया धुएं का गुबार
- टेकऑफ के तुरंत बाद विमान हो गया क्रैश, बोइंग ड्रीमलाइनर हुआ हादसे का शिकार

झूठ बोलने का नोबेल मिले तो पीएम मोदी होंगे पहले दावेदार : संजय राउत

मुंबई. शिवसेना (यूबीटी) के नेता और सांसद संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। पत्रकारों से बातचीत में राउत ने कहा कि अगर झूठ बोलने के लिए नोबेल पुरस्कार शुरू हुआ तो पीएम मोदी इसके पहले दावेदार होंगे।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने 11 साल तक झूठ बोलकर सत्ता हासिल की और देश को आर्थिक, सामाजिक और सुरक्षा के मोर्चे पर कमजोर किया।

उन्होंने कहा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सही कहा है। पीएम मोदी ने झूठ बोलकर पहले सत्ता हासिल की और फिर 11 साल तक झूठ के सहारे सत्ता में टिके रहे। देश को क्या मिला? गरीब और गरीब हुआ, जबकि पीएम के करीबी 10-12 लोग अरबपति बन गए।

संजय राउत ने बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा व्यवस्था के पतन और आतंकवाद बढ़ने का जिक्र करते हुए कहा कि पाकिस्तान और चीन भारत को आंख दिखा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

महाराष्ट्र की सियासत पर भी राउत ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि भाजपा, अजित पवार की एनसीपी और एकनाथ शिंदे की शिवसेना सभी अमित शाह के इशारे पर चल रही हैं। ये सब भाजपा की ही पार्टियां हैं। अमित शाह ही इनके असली अध्यक्ष हैं।

उन्होंने बीएमसी और आगामी विधानसभा चुनाव में महाविकास आघाडी (एमवीए) के मजबूती से उतरने का दावा किया। उन्होंने कहा, हमारी चर्चा चल रही है। सही समय पर गठबंधन का ऐलान होगा और हम मजबूती से चुनाव लड़ेंगे।

एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने पीएम मोदी की तारीफ की है, इस पर राउत ने नाराजगी जताई। सुले ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के लिए विदेशी प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने के बाद इंडियन एक्सप्रेस में एक लेख लिखकर पीएम मोदी के नेतृत्व की सराहना की थी।

उन्होंने कहा, सुप्रिया सुले को पीएम मोदी के नेतृत्व में कुछ गुण दिखे होंगे, हमें नहीं दिखते। यह उनका निजी विचार है, लेकिन देश अघोषित आपातकाल झेल रहा है। विपक्ष और उनकी पार्टियों को तोड़ा गया, सत्ता का दुरुपयोग किया गया।

एनसीसी कैडेट्स ने किया माउंट एवरेस्ट फतह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिए 10 लाख रुपए

नई दिल्ली. नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) की एक युवा पर्वतारोही टीम ने विश्व की सबसे ऊंची चोटी 'माउंट एवरेस्ट' पर सफल चढ़ाई की है। गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) की इस टीम को सम्मानित किया।

इस पर्वतारोही दल में पांच युवक और पांच युवतियां शामिल थीं। एक महत्वपूर्ण बात यह है कि इनकी औसत आयु केवल 19 वर्ष है। इतनी कम उम्र में इन कैडेट्स ने माउंट एवरेस्ट की सफलतापूर्वक चढ़ाई पूरी की है। इस अभियान में सबसे युवा कैडेट की उम्र मात्र 16 वर्ष थी। इस अद्वितीय उपलब्धि के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने टीम को 10 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान किया।

नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान एनसीसी कैडेट्स ने रक्षा मंत्री से अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि किस तरह कड़ी प्रशिक्षण प्रक्रिया व योजना पर बारीकी से काम किया गया। किस प्रकार की चुनौतियों का सामना किया और कठिन परिस्थितियों के बावजूद साहस और धैर्य का परिचय दिया।

रक्षा मंत्री ने कहा कि टीम ने अनुशासन, धैर्य, साहस और संयम की कसौटी पर खरा उतरते हुए देश का नाम रोशन किया है। राजनाथ सिंह ने कैडेट्स को युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया। उन्होंने कहा कि इस अभियान ने यह संदेश दिया है कि देश का युवा विश्व की सबसे ऊंची चोटी पर भी विजय प्राप्त कर सकता है।

उन्होंने विश्वास जताया कि ये कैडेट्स भविष्य की चुनौतियों का भी इसी साहस और संकल्प से सामना करेंगे। रक्षा मंत्री ने एनसीसी की उस भूमिका की सराहना की, जिसके माध्यम से कैडेट्स में राष्ट्रप्रेम की भावना के साथ-साथ शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से सशक्त बनने तथा सामाजिक कौशल विकसित करने का अवसर मिलता है।

उन्होंने उन परिवारों का भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने इस अभियान में कैडेट्स का पूरा सहयोग किया। इस अवसर पर एनसीसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

अहमदाबाद विमान हादसा : पीएम मोदी ने अमित शाह, राम मोहन नायडू से की बात

नई दिल्ली. अहमदाबाद विमान हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से बात की। सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी ने उनसे अहमदाबाद जाने के लिए कहा है। इसके साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा है कि विमान दुर्घटना के बाद प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता दी जाए।

वहीं, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू से बात की और अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना की घटना का जायजा लिया।

उन्होंने पीएम मोदी को बताया कि वे बचाव और राहत कार्यों की निगरानी के लिए अहमदाबाद जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्री को निर्देश दिया है कि वे सभी आवश्यक सहायता तत्काल उपलब्ध कराएं और स्थिति के बारे में नियमित रूप से अपडेट रहने को कहा है। सभी संबंधित एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं और समन्वित प्रयास जारी हैं।

इस बीच जानकारी सामने आ रही है कि गृह मंत्री अमित शाह और नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू अहमदाबाद के लिए रवाना हो गए हैं।

गृह मंत्री अमित शाह ने विमान हादसे को लेकर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, गृह मंत्री और पुलिस कमिश्नर से बात की। उन्होंने केंद्र सरकार की सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया है।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने हादसे पर दुख जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अहमदाबाद में विमान दुर्घटना के बारे में जानकर स्तब्ध और व्यथित हूं। हम उच्चतम अलर्ट पर हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से स्थिति की निगरानी कर रहा हूं और सभी विमानन और आपातकालीन प्रतिक्रिया एजेंसियों को त्वरित और समन्वित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। बचाव दल को तैनात कर दिया गया है और यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं कि चिकित्सा सहायता और राहत सहायता घटनास्थल पर पहुंचाई जाए।

उधर, सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (एसवीपीआईए) प्रवक्ता ने बताया कि एयर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त होने के चलते सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा अहमदाबाद फिलहाल चालू नहीं है।

बिहार विधानसभा चुनाव इस बार जनता लड़ेगी : गिरिराज सिंह

भागलपुर. भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि इस साल होने वाला बिहार विधानसभा चुनाव प्रदेश की जनता लड़ेगी। उन्होंने कहा कि हम लोगों का चुनाव चिन्ह तो होगा, लेकिन हम लोग मात्र दर्शक होंगे। बिहार की जनता इस प्रदेश को पश्चिम बंगाल नहीं बनने देगी।

भागलपुर पहुंचे भारत सरकार के मंत्री गिरिराज सिंह ने केंद्र में एनडीए सरकार के 11 साल के कार्यकाल को लेकर लगी एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

इसके बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, इस बार बिहार की जनता ही बिहार का चुनाव लड़ेगी। बिहार की जनता लालू यादव के राज को फिर से नहीं आने देगी और जो स्थिति पश्चिम बंगाल में है, वही स्थिति हिंदुओं और सामान्य लोगों के लिए नहीं होने देगी।

उन्होंने कहा, बिहार की जनता ने तय कर लिया है कि बिहार को फिर से लालटेन युग में नहीं ले जाना है। बिहार को किस स्थिति में रखना है, उसका फैसला करेंगे। यही कारण है कि जनता ने तय कर लिया है कि इस बार चुनाव वही लड़ेगी। उन्होंने दावे के साथ यह भी कहा कि चुनाव बिहार की जनता ही जीतेगी और बिहार को पश्चिम बंगाल नहीं बनने देगी, यह उनका संकल्प है।

अहमदाबाद विमान हादसा : गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल ने जताया दुख, केंद्रीय उड्डयन मंत्री ने कहा- घटना की जानकारी पाकर स्तब्ध हूं

गांधीनगर. केंद्रीय उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया के विमान हादसे पर दुख व्यक्त किया।

केंद्रीय मंत्री ने अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर किए पोस्ट में हादसे को लेकर दुख जाहिर करते हुए लिखा, ÷अहमदाबाद में विमान दुर्घटना के बारे में जानकर स्तब्ध हूं।

उन्होंने कहा, ÷हम अलर्ट पर हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से स्थिति की निगरानी कर रहा हूं और सभी विमानन और आपातकालीन प्रतिक्रिया एजेंसियों को त्वरित और समन्वित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उन्होंने आगे कहा, ÷बचाव दल को तैनात कर दिया गया है और यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं कि चिकित्सा और राहत सहायता

घटनास्थल पर पहुंचाई जाए। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं विमान में सवार सभी लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। वहीं, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने भी अहमदाबाद विमान हादसे पर दुख जाहिर किया। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर पोस्ट में कहा, ÷अहमदाबाद में एयर इंडिया के यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना से मैं बहुत दुखी हूं। मैंने अधिकारियों को दुर्घटना में तत्काल बचाव एवं राहत कार्य करने तथा घायल यात्रियों के तत्काल उपचार की व्यवस्था युद्ध स्तर पर करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा, ÷मैंने घायल यात्रियों को उपचार के लिए ले जाने के लिए ग्रीन कॉरिडोर की व्यवस्था करने तथा अस्पताल में उपचार की सभी व्यवस्थाएं प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं।

उन्होंने आगे कहा, ÷केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी मुझसे बात की है और इस विमान दुर्घटना में बचाव एवं राहत कार्यों के लिए एनडीआरएफ टीमों और केंद्र सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है।÷

इसके अलावा, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भी अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर दुख जाहिर किया।

संक्षिप्त समाचार

रोड एवं नाली निर्माण के लिए भाजपा नेता राहुल चौधरी ने की मुलाकात संजय सेठ रक्षा राज्य मंत्री जी से

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - आज वार्ड नं 28 के कई रोड,नाली निर्माण एवं अन्य मसलों को लेकर आज वार्ड नंबर 28 के प्रतिनिधि सह भाजपा नेता राहुल चौधरी ने रांची के लोकप्रिय सांसद सह केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ जी से मुलाकात किया।इस मौके पर छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा सहित नवीन ठाकुर,शुभम सोनी,संतोष कुमार जितेंद्र वर्णवाल,शुभम- सोनी,अनुराग,चंदन चौधरी,सिंटू,

विकास सिंह,संजय,बिट्टू,पिंटू साहू आदि मौजूद थे।

हाजीपुर फौजदारी दुर्गा मंदिर परिसर में बनेगा खेल मैदान,भूमि पूजन से प्रारंभ हुआ खेल मैदान निर्माण का कार्य

मंडरो:

झारखंड बिहार सीमावर्ती क्षेत्र हाजीपुर फौजदारी दुर्गा मंदिर परिसर में बिहार मनरेगा के तहत बास्केटबॉल, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, स्पेस बनाने को लेकर पंचायत समिति नंदिनी देवी के द्वारा किया गया भूमि पूजन ।मौके पर हाजीपुर फौजदारी दुर्गा पूजा समिति के रणजीत कुशवाहा, भवेश यादव, चंद्रशेखर यादव समेत अन्य मौजूद थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में खेल प्रतिभाओं को निखारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहा है महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना मनरेगा के तहत खेल मैदान बनाया जा रहा है। या पल न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में खेल सुविधाओं का विस्तार कर रही है बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी दे रही है। खेल मैदाने की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इन्हें बहुउद्देशीय बनाया जा रहा है बड़े मैदाने में खिलाड़ियों को सुविधा मिलेगी। मनरेगा के तहत खेल मैदान बनाने का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में खेल की प्रतिभाओं को विकसित करना है। इन खेल मैदाने से युवाओं को विभिन्न खेलों के लिए प्रशिक्षण और अभ्यास करने की सुविधा मिलेगी। खेल मैदाने से ग्रामीण युवाओं को स्वस्थ और शारीरिक विकास के लिए भी बढ़ावा मिलेगा ।

झारखंड विधानसभा आवास समिति के अध्यक्ष श्री राज सिन्हा का साहेबगंज आगमन, योजनाओं की गहन समीक्षा

साहिबगंज :

साहिबगंज जिला में झारखंड विधानसभा आवास समिति के अध्यक्ष राज सिन्हा का आगमन हुआ। उनके द्वारा परिसदन भवन के सभागार में जिला के सभी विभागों के योजनाओं/ कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान उन्होंने विभागीय कार्यों की प्रगति की जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से शिकारीपाड़ा विधायक श्री आलोक कुमार सोरेन एवं राजमहल विधायक मो. ताजुद्दीन अंसारी उपस्थित रहे। विधायक ने जिले में चल रही योजनाओं की जमीनी स्थिति और जनहित से जुड़ी प्राथमिकताओं पर विशेष रूप से प्रकाश डाला।बैठक में मुख्य रूप से जिला आपूर्ति विभाग, जिला भू अर्जन, भूमि सुधार, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, योजना कार्यालय, जिला पंचायती राज शाखा, जिला खेल विभाग, राज्य कर विभाग, जिला परिवहन, उत्पाद विभाग, उद्योग विभाग, नियोजन विभाग, कौशल विकास, अवर निबंधन, सामाजिक सुरक्षा कोषांग, जिला समाज कल्याण, कृषि विभाग, सहकारिता विभाग, भूमि संरक्षण, जिला उद्यान, गव्य विकास, जिला पशुपालन, पलाश, श्रम विभाग, नगर परिषद, मत्स्य विभाग आदि विभागों के कार्यों की विस्तृत रूप से समीक्षा किया गया ।बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग, उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, अपर समाहर्ता गौतम भगत समेत सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।अध्यक्ष ने पदाधिकारियों को योजनाओं के सफल एवं समयबद्ध निष्पादन हेतु सक्रियता से कार्य करने का निर्देश दिया, ताकि आमजन को योजनाओं का लाभ शीघ्रता से मिल सके।

बिरसा हरित ग्राम योजना का लाभ ले रजिबुल बना आत्मनिर्भर,

आम और सब्जी की हो रही अच्छी उपज

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ डीसी मनीष कुमार के द्वारा पाकुड़ प्रखंड स्थित हिरानंदनपुर पंचायत के बेलडंगा ग्राम में मनरेगा अंतर्गत संचालित बिरसा हरित ग्राम योजना का निरीक्षण किया गया। लाभुक रजीबुल शेख ने उपायुक्त को बताया कि 1 एकड़ आम बागवानी जिसमें 112 आम का पौधा, इमारती 80 पौधा का मिश्रित खेती मैंने किया है। जिसमें आम की अच्छी उपज एवं आमदनी हुई है। इसके अलावे सब्जी की खेती, नींबू, कटहल, पपीता, इत्यादि का खेती किया गया है। लाभुक ने बताया कि 2024 में आम 26 हजार का, सब्जी 16 हजार का बिक्री किया गया। इस बार आमदनी लाख पहुंच गया है। उपायुक्त ने किसान से आम की वैरायटी एवं उनके पैदावार के बारे में जानकारी ली गयी। उन्होंने कहा कि सभी योग्य लाभुक इस योजना से जुड़कर अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर बना सकते हैं। साधारण खेती के स्थान पर यह एक बेहतर विकल्प है। सरकार द्वारा इसे प्रोत्साहित किया जा रहा है, इसका लाभ लें। लाभुक के द्वारा डीसी

को आम खिलाया गया। उपायुक्त ने आम खाकर लाभुक राजीबुल के कार्यों की सराहना किया तथा आगे बढ़ने का हौसला दिया। मौके पर विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर अल्फ्रेड मुर्मू एवं परियोजना पदाधिकारी मोतिउर रहमान उपस्थित थें।

रेलवे पूर्व महाप्रबंधक से मिला ईजरप्पा का प्रतिनिधिमंडल

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःसाहिबगंज पाकुड़ रामपुरहाट के रेल खंड में यात्रियों की लगातार 7 वर्षों की चिर लंबित मांग 63406 डाउन साहिबगंज रामपुरहाट पैसेंजर के साहिबगंज से रामपुरहाट की ओर प्रस्थान करने हेतु समय परिवर्तन करने को लेकर ईस्टर्न जोनल रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन हावड़ा मंडल के अध्यक्ष हिसाबी राय, सचिव राणा शुक्ला, सह सचिव सुशील साहा ने कोलकाता स्थित महाप्रबंधक कार्यालय कक्ष में महाप्रबंधक, पूर्व रेलवे कोलकाता मिलिंद देउस्कर, मुख्य यात्री संचालन प्रबंधक, पूर्व रेलवे कोलकाता रोशन कुमार तथा उप महाप्रबंधक वेद प्रकाश को शाल, स्मृति चिन्ह प्रदान करने के बाद पुष्प गुच्छ देकर इस रेलखंड की यात्रियों की ओर से उनका स्वागत कर आभार व्यक्त किया। वही इजरप्पा के सदस्यों ने स्थानीय रेल समस्याओं को लेकर पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक के साथ विस्तार पूर्वक चर्चा किया। इस बाबत अध्यक्ष हिसाबी राय के द्वारा बताया गया कि महाप्रबंधक, पूर्व रेलवे से स्थानीय रेल समस्या को लेकर विस्तारपूर्वक वार्ता हुई जिसमें कुलापहाड़ी तीलभीट्टा एलसी गेट नंबर 40 के भूमिगत पथ पर जल जमाव की समस्या,13181अप- 1318 2 डाउन कोलकाता काजीरंगा साप्ताहिक एक्सप्रेस का पाकुड़ में ठहराव,ईसाकपुर गेट नंबर 39 पर रोड ओवर ब्रिज के डीपीआर निर्माण तथा उसकी अद्यतन स्थिति पर जानकारी प्राप्त किया गया,पाकुड़ रेलवे स्टेशन

पर लिफ्ट-एक्सीलेटर की चिरलंबित समस्या का समाधान आदि जिस पर उन्होंने सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया तथा तुरंत हावड़ा मंडल के संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए तुरंत समस्या को समाधान करने का आदेश दिया। वही तदोपरांत सहायक मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे हावड़ा उदय कुमार कुमार केशरी से मिलकर स्थानीय समस्याओं पर सात सूत्री मांगों से अवगत कराया गया। किस प्रकार रेल द्वारा पाकुड़ रेलवे स्टेशन पर रेल यात्रियों के सुविधार्थ सारी व्यवस्था रहने के उपरांत भी पाकुड़ स्थानीय रेल पदाधिकारी के द्वारा रख रखाव के अभाव में उसकी स्थिति खस्ता हो गई है। ज्ञात हो कि अपने स्थापनाकाल से ही लिफ्ट एक्सीलेटर बंद पड़े हैं, पाकुड़ रेलवे स्टेशन परिसर की साफ सफाई मजदूरों के अभाव में जीर्ण शीर्ण अवस्था में है, रेलवे स्टेशन व परिसर पशुओं का चरागाह एवं विश्रामालय बन चुका है, कब किसी यात्री की जान चली जाए या कोई नहीं बता सकता है, यात्रियों को प्लेटफार्म पर अवस्थित यात्रियों के लिए मिलने वाले शुद्ध पेयजल आपूर्ति हेतु आरओ से पिछले छः माह द्वारा मिलने वाली शुद्ध पानी बिना शुद्धिकरण के मिल रहा है। विगत एक वर्षों से रेलवे स्टेशन परिसर में सुलभ शौचालय बनकर यात्रियों के लिए तैयार है पर लोकार्पण के अभाव में आज तक बंद पड़ा है इत्यादि। इन सारे विषयों पर सहायक मंडल रेल प्रबंधक पूर्व रेलवे हावड़ा श्री केशरी ने गंभीरतापुर में विचार करने का आश्वासन दिया तथा कहा कि जनहित में यह सारे गंभीर मुद्दे हैं तथा संवेदनशील है तथा इस पर तुरंत कार्रवाई की जाएगा ।मैं स्वयं इन सारी समस्याओं की जांच स्वयं करूंगा। साथ ही पाकुड़ भुमिगत पथ पर आवागमन करने वाले पाकुड़ के आमजनों हेतु शेड का निर्माण किया जाएगा।

कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष मनोवर ने पाकुड़ सदर अस्पताल का किया निरीक्षण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ बुधवार देर शाम पाकुड़ सदर अस्पताल सोनाजोड़ी का कांग्रेस अध्यक्ष मनोवर आलम ने भ्रमण कर अस्पताल में इलाज करवा रहे मरीजों से मिलकर हाल चाल जाना मरीजों को मिलने वाली दवा चिकत्सको द्वारा नियमित जांच सहित मरीजों को मिलने वाली भोजन को भी परखा, वही मनोवर आलम ने कहा की मरीजों ने अस्पताल में मिल रही व्यवस्था पर सवाल तो नही उठाया लेकिन समय समय पर वार्ड में मरीजों को चिकित्सक देखने नही आते है, इसपर भी सवाल उठाया वही अस्पताल में कुछ दवाइयां मौजूद नहीं रहने के कारण अक्सर मरीजों को बाहर दवा दुकान से

खरीदना पड़ता है जो की काफी महंगी होती है, आगे उन्होंने अस्पताल के संबंधित अधिकारी से मरीजों को मिलने वाली भोजन की क्वालिटी में और सुधार हो, साफ सुथरा बर्तन का इस्तमाल करने खाना परोसने के लिए पत्ता का प्लेट देने का आग्रह किया हैं, मेन्यू लिस्ट के अनुसार चलने के लिए कहा गया है ताकि मरीजों को पता चले की आज उसे खाना में क्या मिलना चाहिए ये जानकारी रहे उपस्थित नर्शो से आग्रह किया गया की मरीजों से सरल बरताव किया जाए सदर अस्पताल में पहले के मुताबिक कुछ सुधार देखने को मिला जोकि अच्छा हैं, अस्पताल में सभी दवा मरीजों को मिले या मेडिकल में आयुष्मान कार्ड के जरिए मिले ताकि गरीब मरीजों को पैसा देकर दवा न खरीदना पड़े इस संबंध में जल्द ही विधायक हेमलाल मुर्मू विधायक निशात आलम, सांसद स्वास्थ मंत्री से लिखित आग्रह किया जाएगा.

कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय महारुद्र यज्ञ की शुरुवात

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर - मोहनपुर थाना क्षेत्र के त्रिकूट पर्वत के तलहटी पर बसे सिरसा नुनथर गाँव में सात दिवसीय श्री श्री 1008 श्री शिव शक्ति महायज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के साथ ही रामधुन सकीर्तन की शुरूवात हो गई हैं। जिसमें गुरुवार अयोध्या एंव बनारस से आए महराज द्वारा कलश यात्रा के साथ पंचांगपूजन के पश्चात मण्डप में प्रवेश कर अरणिमंथन किया गया। जिसमें सिरसा बसडीहा सहित आसपास गांव व दूरदराज से लगभग एक हजार से अधिक कन्याओं व महिलाओं ने भाग लिया और महाकलश यात्रा को सफल बनाया। मालूम हो कि महाकलश यात्रा के पूर्व त्रिकूट पर्वत के शिव गँगा में पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ जल पूजन किया और विधि विधान के साथ सभी कलशों में जल भरा गया। उसके बाद महा कलश यात्रा का शुभारंभ किया गया। कलश यात्रा के साथ अयोध्या एवं बनारस से आए यज्ञाचार्य पंडित मधुरेंद्र और कंहीया तिवारी के नेतृत्व में सात दिवसीय महायज्ञ अनुष्ठान का शुभारंभ किया गया, साथ ही यज्ञ मंडप का शुद्धिकरण किया गया। अघोर पीर अजयनाथ

बाबा और महामण्डलेश्वर राजेश्वरीनन्द गिरी इस महायज्ञ का नेतृत्व कर रहे हैं। और उक्त महायज्ञ में यज्ञाचार्य एंव कथा प्रवक्ता आचार्य धर्मेंद्र शास्त्री महाराज के सात दिनों कथा का आयोजन किया जाएगा। वहीं यजमान के रूप में अघोर संजय बाबा, सुपाल ठाकुर और कुलवंत सिंह रहे। महाज्ञाय को सफल बनाने में प्रफुल्ल सिंह, महावीर सिरसा, देवनारायण सिंह, बलवंत सिंह, राजू सिंह, देवाशीष चौधरी, नेपाल कपरी, युगल पंडा, विजय सिंह, अध्ययन ठाकुर, गिरधारी यादव, मंटू यादव, प्रकाश यादव, अरुण सिंह, पप्पू सिंह, बिरजू बरनवाल, शुभम कुमार सहित आसपास के दर्जनों गाँव के ग्रामिण मौजुद थे।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर पाकुड़ न्यायालय सभागार में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःझालसा रांची के निदेशार्नुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ शेष नाथ सिंह के निर्देश पर डालसा सचिव रूपा बंदना किरो की उपस्थिति में विश्व बाल श्रम निषेध दिवस कार्यक्रम का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के सभागार में आयोजित की गई। उक्त कार्यक्रम में उपस्थित एक दिवसीय किशोरियों का एक्सपोजर विजिट के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के सचिव रूपा बंदना किरो ने बताया कि बाल श्रम की समस्या को उजागर करने और इसे खत्म करने के लिए वैश्विक प्रयासों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर साल 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के रूप में मनाया जाता है।बाल श्रम गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, सामाजिक असमानता और जागरूकता की कमी से उत्पन्न होता है। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस-2025 का थीमः प्रगति स्पष्ट है, लेकिन अभी और काम किया

जाना बाकी है आइए प्रयासों को तेज करें₹ हैं ।अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने साल 2002 में इस दिन की शुरूआत की थी, ताकि बच्चों को शोषण से बचाया जा सके और उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य और खुशहाल बचपन का अधिकार मिल सके।बच्चों से होटल, फैक्ट्री, खेत, दुकानों, घरों और अन्य जगहों पर काम करवाया जाता है. इससे न सिर्फ बच्चों का बचपन छिन जाता है, बल्कि उनके शरीर और दिमाग पर भी बुरा असर पड़ता है। यह दिन सरकारों, संगठनों और लोगों से बाल श्रम के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान करता है। थीम कहती है कि हमें अब और तेजी से काम करना होगा ताकि 2025 तक हर बच्चा बाल श्रम की जकड़ से मुक्त हो और उसे पढ़ाई, खेल और खुशहाल बचपन मिल सके। यह सभी से मिलकर और मेहनत करने की अपील की गई ।वहीं लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के डिप्टी चीफ ने कहा कि बाल श्रम की समस्या को उजागर करने और इसे खत्म करने के लिए वैश्विक प्रयासों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर साल 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के रूप में मनाया जाता है। बाल श्रम से संबंधित कई कानूनी सजा का प्रावधान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। बच्चों का विकास , संरक्षण का अधिकार समेत उनके अधिकार के बारे में कानूनी जागरूकता से अवगत कराया गया।जिला शिक्षा अधीक्षक नयन कुमार नेशिक्षा से संबंधित निःशुल्क किताब , नामांकन, पढ़ाई से संबंधित हर सम्मान समेत कपड़ा शिक्षा सभी निःशुल्क सरकार की ओर से दी जाती है।कोई भी बच्चा अगर बाल मजदूरी करता हो तो ऐसे बच्चों का नजदीकी विद्यालय में नामांकन कराए उनके अभिभावक को जागरूक करे और शिक्षा को लेकर समाज में जागरूकता फैलाए।मौके पर चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के सुबोध कुमार दफादर,आमड़ापाड़ा प्रखंड के मध्य विधालय पाडरकोला , मध्य विधालय जीतको समेत आमड़ापाड़ा प्रखंड अन्य विद्यालयों के शिक्षिका छात्रा ने बाल श्रम , बाल विवाह पर अपने बातों से जागरूक की। पीएलवी अमूल्य रत्न रविदास ने भी जागरूक की मौके पर पीएलवी पिंकी मंडल, रानी साहा, चंद्र शेखर घोष, उत्पल मंडल, विजय कुमार राजवंशी, नीरज कुमार राउत उपस्थित रहे।

भारतीय वन्यजीव संस्थान के सदस्यों द्वारा गंजेटिक डॉल्फिन का हुआ सर्वे

साहिबगंज :

भारतीय वन्य जीव संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा साहिबगंज जिले के गंगा नदी क्षेत्र में डॉल्फिन सर्वेक्षण किया गया। यह सर्वे साहिबगंज से लेकर राजमहल, उधवा होते हुए बंगाल सीमा तक किया गया। सर्वेक्षण का उद्देश्य गंगा डॉल्फिन के संरक्षण एवं उनके प्राकृतिक आवास को बेहतर बनाना था।यह सर्वेक्षण वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग के निर्देश पर संपन्न हुआ। इसके साथ ही डॉल्फिन प्रहरियों को भी विशेष प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें उन्हें यह सिखाया गया कि वे किस प्रकार गंगा डॉल्फिन की सुरक्षा एवं संरक्षण में सहयोग कर सकते हैं।भारतीय वन्यजिव संस्थान की प्रोजेक्ट साइंटिस्ट डॉ. शोवना रॉय ने जानकारी दी कि साहिबगंज क्षेत्र में गंगा डॉल्फिन की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। उन्होंने बताया कि इसका प्रमुख कारण यहाँ की गंगा नदी का स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त होना है, जो डॉल्फिन के लिए एक अनुकूल आवास प्रदान करता है। इसके साथ ही यह समृद्ध जैव विविधता के लिए भी अनुकूल वातावरण प्रदान करता है।साहिबगंज गंगा नदी क्षेत्र न केवल जैव विविधता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह डॉल्फिन जैसे संकटग्रस्त जलजीवों के लिए भी एक सुरक्षित आश्रय स्थल बनता जा रहा है।इस सर्वेक्षण के दौरान हक्कके सदस्य श्री विजय प्रताप सिंह, हिया शर्मा, सुरोजीत मैत्रा, राजीव साहा और सागर साहनी उपस्थित रहे। साथ ही स्थानीय वनरक्षी इन्द्रजीत कुमार और अंकित झा ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई।डॉल्फिन प्रहरियों में संतोष यादव समेत अन्य सभी उपस्थित रहे ।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर साहेबगंज जिले में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

साहिबगंजः

झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेशार्नुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न पंचायतों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।इन कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों को बाल मजदूरी से बचाने, उनके अधिकारों की रक्षा करने तथा बाल श्रम के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही, बच्चों को बाल श्रम निषेध एवं विनियमन अधिनियम के अंतर्गत उपलब्ध कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने बताया कि बाल श्रम करवाने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई हो सकती है। इसके अतिरिक्त, बाल तस्करी, बंधुआ मजदूरी एवं बाल यौन शोषण से बचाव के उपायों को बताया । उन्होंने कहा कि ऐसे जागरूकता अभियान का उद्देश्य समाज को बाल श्रम के विरुद्ध संवेदनशील बनाना तथा बच्चों को एक सुरक्षित और सम्मानजनक बचपन सुनिश्चित करना है।

विमान हादसे के बाद भारतीय जनता पार्टी देवघर जिला के कार्यक्रम स्थगित

मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर जिला में आयोजित हो रहे थे कार्यक्रम

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

अहमदाबाद विमान हादसे के बाद देवघर जिला में बीजेपी ने सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए है। प्रदेश प्रवक्ता अशोक बरायिक और जिला अध्यक्ष सचिन रवानी ने उसकी जानकारी दें उन्होंने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल के निर्देश पर अहमदाबाद विमान हादसे के चलते पार्टी के सभी कार्यक्रमों को तत्काल प्रभाव से स्थगित किया गया है आपको बता दें कि आज भारतीय जनता पार्टी देवघर जिला में भारतीय जनता पार्टी ,मोदी सरकार के सेवा ,सुशासन ,गरीब कल्याण के 11 वर्ष के कालखंड के अवसर पर प्रदर्शनी, प्रेस वार्ता एवं प्रोफेशनल मीट का आयोजन किया गया है । इसके लिए जुएल उरांव भारत के वर्तमान जनजातीय मामले के केन्द्रीय मंत्री हैं। उनका देवघर आगमन हुआ था उनका भी तबियत अचानक खराब हो गई *कार्यक्रम

स्थल पर ही शोक सभा का हुआ आयोजन गुजरात के अहमदाबाद ओडिशा में हुई विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले यात्रियों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए गुरुवार को शिव वाटिका में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। भाजपा कार्यकताओं ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते यात्रियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। और घायल को स्वस्थ होने की कामना की भाजपा जिलाध्यक्ष सचिन रवानी ने कहा कि विमान हादसे में करीब 241 लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना को लेकर पूरे देश में शोक की लहर है। भाजपा के कार्यकर्ता इस हृदयविदारक घटना में मृतक यात्रियों के परिवारों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करते हैं। प्रदेश प्रवक्ता अशोक बरायिक ने कहा कि केंद्र सरकार के साथ भाजपा के सभी कार्यकर्ता दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ हैं।कार्यकताओं ने दो मिनट का मौन रखकर मृत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना भी की। शोकसभा में जिला महामंत्री अधीर चंद्र भैया संतोष उपाध्याय जिला उपाध्याय प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संजीव जजवाड़े,पूर्व जिला अध्यक्ष नवल राय राजीव रंजन सिंह, प्रदेश प्रवक्ता अशोक बरायिक प्रज्ञा झा,धनंजय तिवारी विनय चंद्रवंशी , विजया सिंह,सचिन सुल्तानिया अमृत मिश्रा, विश्वनाथ रवानी,मुकेश पाठक धनंजय खवाड़े, सोना धारी झा , सुलोचना देवी,गौरी शंकर शर्मा आशीष कुमार दुबे दशरथ दास,बबलू पासवान विनीता पासवान, कुसुम सिंह अलका सोनी संध्या कुमारी मीना झा निरज प्रकाश,बम बम दुबे जय मिश्रा अशोक गोंड रमेश राय संजय गुप्ता आदि शामिल रहे।

आयुष जांच शिविर में 87 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ प्रखंड के ताकाटोला एवं सोनाजोड़ी एवं महेशपुर प्रखंड के चापतुरा में आयुष विभाग की ओर से गुरुवार को आयुष कैंप लगाकर कुल 87 लोगों का स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवा दिया गया। डॉ सौरभ विश्वास, डॉ कुलेश कुमार एवं डॉ राजेश यादव ने बताया की इस कैंप में आज रक्तचाप, मधुमेह, जॉइंट पेन, गठिया, बच्चों से संबंधित आदि रोगों का जांच निःशुल्क किया गया। साथ ही सभी को मुफ्त दवा भी दी गई। वहीं शिविर में आने वाले मरीजों को शुगर, ब्लड प्रेशर का भी जांच की गई।

संक्षिप्त समाचार

उपायुक्त ने जिले में निर्बाध बिजली आपूर्ति का दिया निर्देश

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ गुरुवार को डीसी मनीष कुमार ने बिजली विभाग के द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने जिले में निर्बाध रूप से बिजली सेवा बहाल करने का निर्देश विद्युत कार्यपालक अभियंता को दिया। उपायुक्त ने जिले में विद्युत आपूर्ति सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि 6 बजे शाम से 6 बजे सुबह तक किसी भी क्रशर को बिजली मुहैया नहीं करायें जाएं। हर हाल में शहरी समेत ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित रूप से बिजली मिले ये सुनिश्चित की जाएं।अनावश्यक रूप से लोड शेडिंग एवं मेंटेनेंस के नाम पर बिजली कटौती न करें अन्यथा संबंधित लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने खराब पड़े ट्रांसफार्मर व जर्जर बिजली के पोल व तारों को बदलने का निर्देश दिया। कहा कि बिजली आज की बुनियादी आवश्यकता है और इसे गांव-गांव तक पहुंचाना प्रशासन की प्रतिबद्धता है। इस दौरान उपायुक्त ने आरडीएसएस के तहत चल रहे कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की। जिले में चिन्हित वैसे टोला व बस्ती जहां बिजली नहीं है। वहां बिजली सुविधा बहाल करने का निर्देश दिया।

पीड़ित दुकानदारों से मिले झामुमो नेता श्यामाकांत झा

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर-झारखण्ड मुक्ति मोर्चा व्यवसाय प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष श्यामाकांत झा शिव गंगा स्थित आग लगने से जले दुकानों के मालिकों से मिलकर वहां की वस्तु स्थिति से अवगत हुए और मौके पर पीड़ित दुकानदारों को हर संभव मदद का भरोसा दिया।साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार के स्तर से भी कुछ मदद मिले इसको लेकर भी पहल करेंगे और जरूरत पड़ा तो जिला के वरीय अधिकारियों से मिलकर कोई न कोई रास्ता अवश्य निकालेंगे।इस दौरान उनके साथ संगठन के कई अन्य लोग भी उपस्थित थे।श्री झा ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि अस्थाई दुकानदारों पर निश्चित रूप से यह एक पहाड़ गिरने जैसी स्थिति है।लोग श्रावणी मेला का इंतजाम और तैयारी में जुटे थे ताकि इस वर्ष अच्छा व्यवसाय कर सके पर यह एक तरह का बज्रपात हुआ है इन लोगों पर, बहुत दुख की बात है।प्रयास करूंगा कि इनलोगों को कुछ मदद अवश्य मिले ताकि इनकी जीवन फिर पटरी पर दौड़ सके।

झारखंड आंदोलनकारी सदस्यों ने की प्रशस्ति पत्र और सम्मान राशि की मांग

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर-झारखण्ड आंदोलनकारीयों में कुछ सदस्यों ने अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री को एक आवेदन प्रेषित किया है।आवेदन में दशार्या है कि सभी पृथक झारखंड राज्य आंदोलन में सक्रिय भूमिका में रहें हैं और हमलोगों को झारखंड आंदोलनकारी चिंहितिकरण आयोग झारखंड सरकार द्वारा पूर्व यानी प्रथम सूची में ही चिंहितीकरण आयोग द्वारा चिन्हित कर लिया गया है।बावजूद अभी तक हम सभी को प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान राशि से वंचित रखा गया है।सम्मान की प्रत्याशा में कुछ आंदोलनकारी साथी की मृत्यु भी हो चुकी है। वर्तमान में हम सभी की आर्थिक स्थिति भी दयनीय होती जा रही है।वहीं सभी आवेदक ने आग्रह किया है कि हम सभी आंदोलन कारियों को(सारवां और सोनारायठाड़ी) को प्रशस्ति पत्र और सम्मान राशि दिया जाए।आवेदकों ने इसकी एक प्रति जिला के उपायुक्त को भी दिया है।आवेदकों में मुख्य रूप से दशरथ सोरेन,राजेश हांसदा,हेमलाल हेम्ब्रम,गणेश चंद्र सोरेन,तोड़े सोरेन,निर्मल हांसदा,जयलाल हांसदा,हीरालाल टुडू,परमेश्वर हेम्ब्रम,सुखु मुर्मू,नसीब लाल टुडू,मुकुल हांसदा,मार्जन हांसदा,मोहन कुमार हांसदा,धर्मेंद्र मुर्मू,लिखराज हांसदा,सेवाचन्द्र महतो सहित कुल बाईस लोग शामिल हैं।

तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय गतका प्रतियोगिता में देवघर के तीन खिलाड़ी लेंगे भाग

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

तालकटोरा स्टेडियम नईदिल्ली मे 12 जून से 14 जून तक आयोजित राष्ट्रीय गतका प्रतियोगिता में देवघर के तीन खिलाड़ी भाग लेने झारखंड टीम के साथ पहूंची. इसकी जानकारी देते हुए जिला गतका संघ के महासचिव कौशल कुमार सिंह ने बताया कि पिछले दिनों बरही हजारीबाग मे आयोजित राज्य स्तरीय गतका प्रतियोगिता में साबरा खातुन ,मानसी कुमारी और दिव्यांशु कुमार ने अच्छा प्रदर्शन कर पदक प्राप्त किया था. इनके चयन पर संघ के पदाधिकारी रौनक सिन्हा, राहुल कुमार ,दशरथ महथा ,सोनी काश्यप ,रोहित कुमार ,दीपक कुमार विद्या सिंह आदि ने बधाई दी

देवघर के चार बॉक्सर जूनियर चैंपियनशिप में लेंगे भाग

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

17 वा स्टेट सब जूनियर जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप 13 जून से 15 जून तक जे. आर .डी. कंपलेक्स नोवामुंडी में आयोजित हो रही है जिसमें देवघर के चार बॉक्सर जूनियर ग्रुप में क्रमशः मो0 इरशाद, आशुतोष आयुष, कृष कुणाल,तरुण, देवघर जिला बॉक्सिंग संघ के द्वारा कोच आराव के नेतृत्व में भाग लेने आज नोवामंडी रवाना हुए । यह जानकारी देवघर के जिला बॉक्सिंग संघ के सचिव आजाद कुमार पाठक के देते हुए बताया कि इस बार देवघर के बॉक्सरों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की गई है।

औरंगाबाद के नबीनगर में गरजे प्रशांत किशोर, कहा- मोदी जी वोट ले रहे हैं हम लोगों से और फैक्ट्री लगा रहे हैं गुजरात में

नबीनगर, औरंगाबाद के बच्चे वहां जाकर मजदूरी करने को मजबूर हैं

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद। जन सुराज पार्टी के प्रणेता प्रशांत किशोर पहुंचे नबीनगर में जम कर भड़के विपक्षी दलों पर,बताते चलें कि बिहार में संपूर्ण क्रांति और व्यवस्था परिवर्तन के उद्देश्य से शुरू की गई 'बिहार बदलाव यात्रा' के तहत आज जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर एक दिवसीय दौरे पर औरंगाबाद पहुंचे।औरंगाबाद पहुंचने पर प्रशांत किशोर का विभिन्न स्थानों पर बड़ी संख्या में पार्टी और उनके समर्थकों ने ढोल- नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत किया। समर्थकों ने उन्हें फूल- माला से लाद दिया। प्रशांत किशोर के पीछे गाड़ियों का लंबा काफिला चल रहा था। प्रशांत किशोर ने जिले के नबीनगर प्रखंड में स्थित अनुग्रह नारायण स्टेडियम में आयोजित 'बिहार बदलाव सभा' को संबोधित किया। जनसभा में हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे। दोपहर से ही बड़ी संख्या में युवा और महिलाएं जनसभा स्थल पर पहुंचने लगे थे और जन सुराज के सूत्रधार को सुनने के लिए उनमें काफी उत्साह देखा गया। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने प्रधानमंत्री मोदी पर हमला करते हुए कहा कि मोदी जी बिहार की जनता से वोट लेकर गुजरात में फैक्ट्री लगा रहे हैं। पूरे देश का पैसा लेकर गुजरात के गांव-गांव में फैक्ट्री लगाई जा रही हैं और बिहार के बच्चे वहां जाकर

मजदूरी करने को मजबूर हैं। उन्होंने जनता से पूछा कि जब वोट आपका है तो फैक्ट्री कहां लगनी चाहिए, गुजरात में या बिहार में? इसके साथ ही प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में अधिकारी और नेता राशन कार्ड बनाने से लेकर जमीन की रसीद कटाने तक के लिए रिश्वत ले रहे हैं, जिससे आम लोग परेशान हैं। उन्होंने नबीनगर की जनता से अपील की कि उन्हें और उनके बच्चों को लूटने वाले नेताओं को वोट न दें। अगली बार अपने बच्चों के लिए वोट दें और बिहार में जनता का राज स्थापित करें। बिहार में व्यवस्था परिवर्तन कर जनता का राज स्थापित करने के लिए नेताओं का चेहरा देखकर वोट न करें। चुनाव में वोट लालू, नीतीश और मोदी के चेहरे पर नहीं अपने बच्चों के चेहरे को देखकर दीजिएगा। अगली बार अपने बच्चों की शिक्षा और रोजगार के लिए वोट करें। दिसंबर 2025 से 60 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक पुरुष और महिला को 2000 रुपये मासिक पेंशन मिलेगी, 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों को निजी स्कूलों में भी मुफ्त शिक्षा मिलेगी - प्रशांत किशोर प्रशांत किशोर ने नबीनगर की जनता से बड़ा वादा करते हुए कहा कि दिसंबर 2025 से 60 साल से अधिक उम्र के हर पुरुष और महिला को 2000 रुपये मासिक पेंशन दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस साल छठ के बाद बिहार के युवाओं को 10-12 हजार रुपये की मजदूरी करने के लिए अपना घर-परिवार छोड़कर नहीं जाना पड़ेगा। इसके साथ ही उन्होंने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि जब तक सरकारी विद्यालयों में सुधार नहीं हो जाएगा, तब तक आप अपने 15 साल से कम उम्र के बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ाएं और उनकी फीस सरकार भरेगी ताकि गरीब का बच्चा भी अंग्रेजी मीडियम स्कूल में पढ़ सके।

केवल रेस्क्यू नहीं, अब जरूरत है राष्ट्रीय स्तर पर ठोस एक्शन की रानी कुमारी

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर.विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के मौके पर चेतना विकास ने देवघर ज़िले में बाल श्रम के खिलाफ चल रहे उनके अभियान के मद्देनजर बताया कि बीते एक साल में प्रसशनिक धावादल टीम के साथ बालश्रम मुक्ति कार्यक्रम किया गया, जिनमें से 37 बच्चों को बाल मजदूरी से मुक्त कराया गया. चेतना विकास की निर्देशिका रानी कुमारी ने बताया कि बाल श्रम के खात्मे की दिशा में जिला प्रशासन और नागरिक संगठनों के बीच बेहतर समन्वय रहा है. हमने सिर्फ बच्चों को रेस्क्यू ही नहीं किया, बल्कि उनके पुनर्वास और शिक्षा के लिए भी काम किया है. उन्होंने कहा कि पीड़ितों के पुनर्वास और अपराधियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई से ही बाल मजदूरी पर रोक लग पाएगी और भारत इस दिशा में आगे बढ़ भी रहा है. अब जरूरत है एक राष्ट्रीय स्तर के मिशन की, जो इस काम को और ठोस बनाए. बाल श्रम के खात्मे के लिए समग्र नीतिगत बदलावों, 18 साल तक मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा, पीड़ित बच्चों के पुनर्वास के लिए बाल मजदूर पुनर्वास कोष की स्थापना,

राज्यों को उनकी विशेष जरूरतों के हिसाब से नीतियां बनाने, बाल मजदूरी के खात्मे के लिए सतत विकास लक्ष्य 8.7 की समयसीमा को 2030 तक बढ़ाने, दोषियों के खिलाफ सख्त व त्वरित कानूनी कार्रवाई की मांग की.

चेतना विकास, बाल अधिकारों के लिए काम करने वाले देश के सबसे बड़े नागरिक समाज नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (JRC) का हिस्सा है. JRC देश के 418 जिलों में 250 से ज्यादा संगठनों के साथ मिलकर बाल श्रम, बाल विवाह, तस्करी और यौन शोषण के खिलाफ जमीनी स्तर पर अभियान चला रहा है. जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (JRC) के राष्ट्रीय संयोजक रवि कांत ने कहा, भारत बाल श्रम को खत्म करने के अंतरराष्ट्रीय संधि का हस्ताक्षरकर्ता है और हमने ठोस कदम उठाए हैं. विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए बाल श्रम मुक्त आपूर्ति श्रृंखला, कौशल विकास और शिक्षित व जिम्मेदार नागरिक पहली शर्त हैं. हमें बाल श्रम को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति पर अमल करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की जरूरत है.

के.ए. पॉल ने एयर इंडिया फ्लाइट अक-171 हादसे के पीड़ितों के परिजनों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की

नई दिल्ली , ।

एयर इंडिया की फ्लाइट AI-171 के भीषण हादसे के बाद ग्लोबल पीस इनिशिएटिव के संस्थापक डॉ. के.ए. पॉल ने 242 मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है और इस हादसे को संभावित आतंकी हमले के रूप में देखते हुए व्यापक जांच की मांग की है। लंदन जा रही यह बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान अहमदाबाद से उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद मेघानी नगर के एक रिहायशी इलाके में गिर गया, जिसमें 169 भारतीय नागरिक, 53 ब्रिटिश नागरिक, 7 पुर्तगाली, 1 कनाडाई नागरिक और पूरी क्रू टीम सहित सभी लोग मारे गए। डॉ. पॉल ने कहा कि इस त्रासदी की भयावहता त्वरित और गहन जांच की मांग करती है। उन्होंने अपनी 40 वर्षों की अंतरराष्ट्रीय यात्रा और विमानन अनुभव का हवाला देते हुए सुरक्षा में गंभीर चूक की आशंका जताई और जांच के दायरे में बैगेज टेम्परिंग से लेकर रिमोट-कंट्रोल्ड विस्फोटक जैसे तमाम संभावित

कोणों को शामिल करने की बात कही। इस घटना को सामान्य तकनीकी विफलता मानकर छोड़ना उचित नहीं होगा। इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जान जाना केवल राष्ट्रीय शोक नहीं बल्कि वैश्विक चिंता का विषय है। राजनीतिक, कानूनी और तकनीकी– हर स्तर पर इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए,ह्व डॉ. पॉल ने कहा। उन्होंने चेताया कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो इससे भारत की विमानन साख, वैश्विक छवि और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में बड़ा नुकसान हो सकता है। पारदर्शी और निष्पक्ष जांच से न केवल न्याय की दिशा में प्रगति होगी, बल्कि अंतरराष्ट्रीय विश्वास भी बहाल होगा। डॉ. पॉल ने समाज के सभी वर्गों से एकजुटता की अपील करते हुए कहा कि ऐसी त्रासदियों का इस्तेमाल विभाजन नहीं, बल्कि शांति, न्याय और सुरक्षा के लिए एकजुट होने के अवसर के रूप में किया जाना चाहिए।

क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री एवं कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रणधीर कुमार द्वारा छात्र छात्राओं को फ्री में हायर एजुकेशन दिया जा रहा है

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश महासचिव एवं राष्ट्रीय संगठन महामंत्री एवं कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रणधीर कुमार सिंह बिहार क्षत्रिय करणी सेना के द्वारा छात्र छात्राओं को फ्री में हायर एजुकेशन जैसे B-TECH, M-TECH, BCA, MCA, MBA, LLB, ANM, GNM, OTHER, PARAMEDICAL ENGINEERING, MANAGEMENT, का सभी कोर्स फ्री में पढ़ाया जा रहा है, बिहार झारखंड छोड़ देश के किसी भी राज्य के स्टेट गवर्नमेंट यूनिवर्सिटी से संबंधित कॉलेज से, रणधीर सिंह जी ने कुछ दिन पहले मीडिया के सामने घोषणा किया था, अब हर गरीब, किसान, मजदूर का बच्चा पढ़ेगा और

बढ़ेगा, वह बोले गली नली बनाने का झूठा वादा तो नही करूंगा, पर हर गांव में इंजीनियर बनाऊंगा जिससे वह गली नली तालाब खुद से बनवा लेंगे, उन्होंने कहा जहां मंत्री विधायक और बड़े लोगों के बच्चे पढ़ते हैं, वैसे कॉलेज से पढ़ाएंगे, और बच्चे जिस कॉलेज से पढ़ेंगे वहां से ही उनकी प्लेसमेंट (नौकरी) भी होगा, इस कार्यक्रम में औरंगाबाद जिला के करीब सभी प्रखण्ड से छात्र छात्राएं अपने गार्जियन के साथ आए थे, सभी बच्चे संतुष्ट थे, रणधीर सिंह जी जी के बातों से, और करीब 80 (असी) बच्चों ने अपना फॉम भरा और उन सभी बच्चों को काउंसलिंग के लिए पटना बुलाया गया है, यह कारवां बढ़ता जा रहा है, पहले भी औरंगाबाद के बच्चों का एडमिशन हो चुका है, उनके गार्जियन भी आए थे, यह कार्यक्रम औरंगबद के अनुग्रह नारायण मेमोरियल कॉलेज में 12/06/2025 को किया गया, जिसमें करीब सैकड़ों के संख्या में छात्र छात्राएं और गार्जियन पहुंचे थे, सभी बच्चे रणधीर सिंह जी के सभी बातों से संतुष्ट हो कर लास्ट में अपना फॉम जमा किया, और काउंसलिंग में जाने को कहा, वहां कॉलेज के प्रोफेसर संजीव कुमार सिंह, प्रोफेसर अशोक कुमार सिंह, प्रोफेसर विनोद सिंह, एवं कॉलेज के कई प्रोफेसर एवं कॉलेज के संबंधित कर्मचारी मौजूद थे।

12 जून विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर श्रम विभाग द्वारा जिला अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले में 12 जून विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर श्रम विभाग द्वारा जिला अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।बाल श्रम के विरूद्ध विभिन्न स्थलों पर प्रभात फेरि निकाली गयी एवम नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस क्रम में राजकीय महिला प्रशिक्षण संस्थान रहभान बीघा में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर से कार्यशाला का आयोजन किया गया ' कार्यक्रम की शुरूआत श्रम अधीक्षक, प्राचार्य महिला कळक श्रम कल्याण समिति के सदस्य के सदस्य,तरक्की स्वयंसेवी संस्थान के संयोजक श्री मिनहाज द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया'कार्यक्रम में औरंगाबाद जिला अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों में बाल श्रम निषेध विषय पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया

गया' कार्यक्रम में प्रतिभागियों द्वारा बाल श्रम निषेध संबंधी शपथ ली गई 'श्रम अधीक्षक द्वारा बताया गया कि 6 से 14 वर्ष के बाल श्रमिकों से कार्य कराना दण्डनीय अपराध है जिसके दोषी नियोजकों के विरूद्ध ऋ१ दर्ज कर बाल श्रम उन्मूलन एवं किशोर श्रम विनियमन अधिनियम अंतर्गत 20000 से 50000 रुपये जुमार्ना अथवा 2 वर्ष के कारावास का प्रावधान है 'कार्यक्रम में ठिठोली सामाजिक एवं सांस्कृतिक दर्पण नुक्कड़ नाटक की टीम द्वारा प्रस्तुति के माध्यम से श्रमिकों को बाल श्रम के विरुद्ध जागरूक किया गया एवं बिहार भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड संबंधित निबंधन एवम कल्याणकारी योजनाओं यथा मातृत्व लाभ, मृत्युहित लाभ, नकद पुरस्कार, विवाह वित्तीय सहायता संबंधी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई' ग्रामीण प्रशिक्षण शिविर में विभिन्न पंचायतों से आये श्रमिकों को एक दिन के मार्ग व्यय एवं मजदूरी का भुगतान किया गया 'जिले को बाल श्रम से मुक्ति दिलाने के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया'

अनुपमा यादव के जन्मदिन पर भाजपा नेता राकेश सिंह ने बधाई दी

पटना , ।

भोजपुरी सुपर स्टार लोक गायिका अनुपमा यादव के जन्मदिन पर भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह ने बाबा हरिहरनाथ का प्रसाद खिलाकर और प्रतीक चिन्ह देकर 26 वॉ जन्मदिन की बधाई और शुभकामनायें दिया जन्मदिन के अवसर पर बधाई देने वाला का घर पर लगा रहा ताता इस अवसर पर उनके माता पिता सनी सिंह मोनू सिंह सुमंत तिवारी सहित अनेक लोग उपस्थित थे सभी लोगो ने जन्मदिन की बधाई दी इस अवसर पर भाजपा नेता राकेश सिंह ने कहा की अनुपमा यादव अपने जीवन मे बहुत संदर्ष कर के आज इस मुकाम पर पहुंची है उनका गाना पूरे बिहार के लोग सुनते है और सराहना करते है और कहा की हमलोगो चाहेंगे की और आगे बढ़े इसी तरह और प्रदेश और देश का नाम रौशन करें।

एयर इंडिया की फ्लाइट AI-171 टेकऑफ के तुरंत बाद मेघानी नगर में दुर्घटनाग्रस्त पर गहरा शोक प्रकट किया पूर्व सांसद- सुशील कुमार सिंह

रिपोर्ट प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- भाजपा के पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह गुजरात के अहमदाबाद में सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर एयर इंडिया की फ्लाइट AI-171 टेकआॅफ के तुरंत बाद मेघानी नगर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई इस घटना पर पूर्व सांसद ने गहरा शोक ब्यक्त किया है।पूर्व सांसद ने कहा कि यह विमान दिल्ही से अहमदाबाद होते हुए लंदन जा रहा था।विमान में टोटल 242 लोग सवार थे यह घटना बहुत दुःखद हैं।ईश्वर से प्रार्थना है कि सभी घायल लोगों को शीघ्र स्वस्थ होने का कामना करता हुँ एवं शोक संतप्त परिवारों को इस असहनीय पीड़ा सहने की शक्ति प्रदान करें।हम सभी लोग इस दुःख की घड़ी में परिवार के साथ है।भाजपा वरीय नेता सुनील सिंह,भाजपा जिलाध्यक्ष विजेन्द्र चन्द्रवंशी,पूर्व सांसद प्रतिनिधि अश्विनी सिंह,सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता आदित्य शेखर,पूर्व जिलाध्यक्ष मुकेश शर्मा,देव पूर्व उप प्रमुख मनीष पाठक,जिला महामंत्री मुकेश सिंह,युवा भाजपा नेता प्रवीर सिंह,भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष शुभेंदु शेखर सिंह,जिला परिषद सदस्य रामेश्वर बैठा,जिला कोषाध्यक्ष आलोक सिंह,जिला मीडिया प्रभारी मितेन्द्र कुमार सिंह,नलिनी रंजन,अमरीश सिंह,बिनोद सिंह,टनटन सिंह,पूर्व जिला मंत्री अखिलेश मेहता,वार्ड पार्षद अशोक सिंह,भाजपा नेता विनय शर्मा,रविन्द्र शर्मा,राकेश कुमार देवता,भाजपा नेता मुनीन्द्र राम,प्रफुल्ल सिंह,भरत सिंह,विधानसभा प्रभारी उदय सिंह,किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष विनय सिंह,महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष अनिता सिंह,जुलेखा खातून,सुबोध सिंह,एवं भाजपा कार्यकताओं ने शोक ब्यक्त किया है।

भारत में बढ़ते आयात से स्थानीय विनिर्माण को भारी नुकसान

>> विचार

"चीन भारत का शीर्ष आयात स्रोत बना हुआ है, जो किसी भी एक देश से अब तक का सबसे बड़ा आयात स्रोत है। पिछले वित्त वर्ष में, भारत का कुल आयात बढ़कर 915.19अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। यह वृद्धि उच्च माल आयात द्वारा संचालित थी, जो 720.24अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गयी, जो पिछले वित्त वर्ष में 678.21अरब अमेरिकी डॉलर की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि थी। सरकार का कोई भी विभाग वर्तमान भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय सरकार के संचालन के बाद से कम और धीमी घरेलू औद्योगिक उत्पादन और घटती हुई नौकरी वृद्धि दर की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। सरकार एक सपने के सौदागर की तरह काम कर रही है, जिसे अक्सर भारत की दीर्घकालिक आर्थिक संभावनाओं का पूर्वानुमान लगाने और उस पर ध्यान केंद्रित करने में व्यस्त देखा जाता है।

नन्तू बनर्जी

आयात करके प्रसन्न रहने वाली सरकार की उदार निवेश नीति, विशेष रूप से विनिर्माण में, की अनुपस्थिति में तथाकथित 'मेक-इन-इंडिया' पहल को बहुत कम सफलता मिली, जो विदेशी औद्योगिक निवेशकों को भारत की ओर आकर्षित कर सकती थी, जैसा कि उन्होंने कई वर्षों तक कम्युनिस्ट चीन में किया था। विदेशी निवेशकों को सरकार के राजनीतिक रंग में कोई दिलचस्पी नहीं है। भारत के आर्थिक विकास के आंकड़े घरेलू विनिर्माण, औद्योगिक उत्पादन और रोजगार सृजन से तेजी से अलग होते जा रहे हैं। पिछले वित्त वर्ष के दौरान देश की 6.5 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि में विनिर्माण क्षेत्र का अत्यल्प योगदान रहा, जो चार वर्षों में सबसे ऊपर था। पिछले साल अच्छे मानसून के बावजूद, दूसरी छमाही (अक्टूबर-मार्च) में देश के कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर 3.5 प्रतिशत रही। 2024-25 के लिए औद्योगिक विकास दर केवल 4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पिछले चार वर्षों में सबसे कम है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2025 में देश का औद्योगिक उत्पादन आठ महीने के निचले स्तर 2.7 प्रतिशत पर आ गया। तब फिर देश की जीडीपी वृद्धि को कौन आगे बढ़ा रहा है? जाहिर है, देश का कम भरोसेमंद विशाल सेवा क्षेत्र, जिसे भारी आयात आधार दे रहा है। विडंबना यह है कि पिछले वित्त वर्ष में भारत के कुल आयात में 6.85 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी, जो देश की जीडीपी वृद्धि दर से थोड़ा अधिक है। इससे कुछ हद तक गलत धारणा बन सकती है कि जीडीपी वृद्धि आयात वृद्धि से जुड़ी हुई है। अनियंत्रित आयात, मुख्य रूप से चीन से, भारत की घरेलू उत्पादन पहल और देश के नयी नौकरी सृजन एजेंडे को कमजोर कर रहे हैं। भारत से चीन को आयात तेजी से घट रहा है। पिछले वित्त वर्ष में चीन से भारत का आयात 113 अरब डॉलर से अधिक था, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 11.5 प्रतिशत अधिक था। चीन से आयात किये जाने वाले शीर्ष उत्पादों में विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मशीनरी, कार्बनिक रसायन और प्लास्टिक शामिल थे, जिनमें से अधिकांश का निर्माण भारत में किया जाना चाहिए था। इस वृद्धि ने भारत के व्यापार घाटे को बढ़ाने में योगदान दिया। इसके विपरीत, चीन को भारत का माल निर्यात पिछले साल के 16.66अरब डॉलर से घटकर केवल 14.25 बिलियन डॉलर रह गया। निर्यात-प्रधान चीन भारत से कुछ भी आयात करना पसंद नहीं करता है। सरकार में कोई भी व्यक्ति देश में साल दर साल, खास तौर पर चीन से आयात में हो रही भारी वृद्धि के बारे में चिंतित नहीं दिखता। आयात ज्यादातर घरेलू उत्पादन और स्थानीय नौकरियों की कीमत

पर होता है। कोई भी देश केवल माल का आयात नहीं करता। वह श्रम का भी आयात करता है, जो आयातित उत्पादों के निर्माण में जाता है। चीन भारत का शीर्ष आयात स्रोत बना हुआ है, जो किसी भी एक देश से अब तक का सबसे बड़ा आयात स्रोत है। पिछले वित्त वर्ष में, भारत का कुल आयात बढ़कर 915.19अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। यह वृद्धि उच्च माल आयात द्वारा संचालित थी, जो 720.24अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गयी, जो पिछले वित्त वर्ष में 678.21अरब अमेरिकी डॉलर की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि थी। सरकार का कोई भी विभाग वर्तमान भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय सरकार के संचालन के बाद से कम और धीमी घरेलू औद्योगिक उत्पादन और घटती हुई नौकरी वृद्धि दर की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। सरकार एक सपने के सौदागर की तरह काम कर रही है, जिसे अक्सर भारत की दीर्घकालिक आर्थिक संभावनाओं का पूर्वानुमान लगाने और उस पर ध्यान केंद्रित करने में व्यस्त देखा जाता है। आयात करके प्रसन्न रहने वाली सरकार की उदार निवेश नीति, विशेष रूप से विनिर्माण में, की अनुपस्थिति में तथाकथित 'मेक-इन-इंडिया' पहल को बहुत कम सफलता मिली, जो विदेशी औद्योगिक निवेशकों को भारत की ओर आकर्षित कर सकती थी, जैसा कि उन्होंने कई वर्षों तक कम्युनिस्ट चीन में किया था। विदेशी निवेशकों को सरकार के राजनीतिक रंग में कोई दिलचस्पी नहीं है। 2025 के पहले तीन महीनों में, चीन में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 36.9अरब अमेरिकी डॉलर के बराबर था। पूरे 2024-25 के दौरान भारत में मात्र 0.4अरब डॉलर के एफडीआई प्रवाह के आकलन पर विचार करें। एक साल पहले यह 10.1अरब डॉलर था। गत वर्ष का आंकड़ा शायद देश के वार्षिक एफडीआई प्रवाह रिकॉर्ड में सबसे खराब प्रदर्शन है, जबकि सरकार भारत वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरने की बात करती रहती है। भारत के अपने औद्योगिक उद्यमी देश में बहुत कम निवेश कर रहे हैं। इसके बजाय, वे विदेश में निवेश करने में लिप्त हैं सिंगापुर, अमेरिका, यूएई, मॉरीशस और नीदरलैंड ने मिलकर ओवरसीजएफडीआई (ओएफडीआई)में आधे से अधिक की वृद्धि की। देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए केवल चार प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह वृद्धि मार्च 2024 में दर्ज 5.5 प्रतिशत से कम है। विनिर्माण क्षेत्र में और मंदी का अनुभव हुआ, जो वर्ष के लिए 4.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2023-24 में 12.3 प्रतिशत से काफी कम है। मार्च 2025 में आईआईपी में केवल तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई। पिछले वित्तीय वर्ष की अप्रैल-अक्तूबर अवधि के दौरान औद्योगिक उत्पादन में चार प्रतिशत की वृद्धि हुई। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण की हिस्सेदारी 12 प्रतिशत से कम बनी हुई है। विजुअल कैपिटलिस्ट के अनुसार, चीन के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण की हिस्सेदारी 2025 में वैश्विक विनिर्माण उत्पादन का लगभग 29 प्रतिशत होने का अनुमान है। यह वैश्विक विनिर्माण में चीन के महत्वपूर्ण प्रभुत्व को बढ़ाता है, जो संभावित रूप से अमेरिका और उसके सहयोगियों के संयुक्त हिस्से से मेल खाता है या उससे अधिक है। विशेष रूप से, चीन के बारे में अनुमान है कि वह4.8 ट्रिलियन डॉलर का विनिर्माण उत्पादन करता है, जो वैश्विक मूल्य का 29 प्रतिशत है। दो महीने से भी कम समय पहले, भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि देश अगले दो दशकों में अपने विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 23 प्रतिशत करने की योजना बना रहा है, जिसका उद्देश्य रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को गति देना है। कैलिफोर्निया के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में हूवरइंस्टीट्यूशन में बोलते हुए, वित्त मंत्री ने कहा था कि-भारत जीडीपी में विनिर्माण की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा घटक, चिकित्सा उपकरण, बैटरी और चमड़ा और कपड़ा सहित श्रम-गहन उद्योगों जैसे 14 पहचाने गये उभरते क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। हालांकि, इन उद्योगों में से, सेमीकंडक्टर केवल भारत में एक उभरता उद्योग प्रतीत हो सकता है। संयोग से, वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग का वर्तमान स्वरूप लगभग 70 वर्ष पुराना है। पहला व्यावसायिक रूप से उपलब्ध माइक्रो प्रोसेसर, इंटेल 4004, 1971 में जारी किया गया था। भारत को चालू वर्ष के अंत तक विदेशी इक्विटी और तकनीकी नियंत्रण के तहत अपना पहला स्थानीय रूप से उत्पादित सेमीकंडक्टर चिप लॉन्च करने की उम्मीद है। भारत सेमीकंडक्टर का एक प्रमुख आयातक है। इसका स्थानीय अंतिम उपयोग बाजार 2025 में $54 अरब से दोगुना होकर 2030 तक $108 अरब हो जाने का अनुमान है। हाल ही में, सरकार के अत्यधिक उदार निवेश प्रोत्साहनों से घरेलू सेमीकंडक्टर उत्पादन को बढ़ावा देने में विदेशी कंपनियों को मदद मिलने की उम्मीद है। हाल ही तक, सरकार देश के औद्योगिक और विनिर्माण आधारों को मजबूत करने के बारे में बहुत लापरवाह दिखी। 2014-15 में भी, जब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार केंद्र में सत्ता में आयी (26 मई, 2014), तब भारत के विनिर्माण क्षेत्र ने देश के सकल घरेलू उत्पाद में 16.3 प्रतिशत का योगदान दिया था। जबकि सरकार की बहुचर्चित 'मेक-इन-इंडिया' नीति सितंबर 2014 में शुरू की गयी थी, जिससे इसके हिस्से को तेजी से आगे बढ़ाने की उम्मीद थी, लेकिन बाद में सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान मुख्य रूप से कार्यक्रम के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता की कमी और पिछले कुछ वर्षों में अनियंत्रित आयात वृद्धि के कारण कम हो गया। इससे यह स्पष्ट होता है कि देश की वार्षिक जीडीपी वृद्धि दर आम तौर पर विनिर्माण क्षेत्र और रोजगार के विकास को प्रतिबिंबित करने में विफल रही है।

संपादकीय

बड़े बदलाव की वाहक बन सकती है

निस्संदेह, ऊर्जा मंत्रालय का ऊर्जा नियामक ब्यूरो, बिजली खपत कम करने वाले उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा देता है। लेकिन जब गर्मी रिकॉर्ड तोड़ती बढ़ रही है तो तापमान बढ़ने पर बिजली की खपत अनिवार्य रूप से बढ़ने लगती है। लेकिन इसका एकमात्र कारण एसी का बढ़ता उपयोग ही नहीं है। हमें खुद से सवाल पूछने की जरूरत है कि हमारे शहर इतने गर्म क्यों हो रहे हैं? हम इस बढ़ते तापमान से नागरिकों को राहत क्यों नहीं दे पा रहे हैं। अंधाधुंध-अवैज्ञानिक तरीके से हो रहे निर्माण कार्य भी इसमें कम दोषी नहीं हैं। हमने चारों तरफ कंक्रीट के जंगल तो बना दिए लेकिन शहरों में हरियाली का दायरा लगातार सिमटता जा रहा है। जिससे हवा का प्राकृतिक प्रवाह भी बाधित हो रहा है। विकास के नाम पर जो सैकड़ों वर्ष पुराने पेड़ काटे जाते हैं, उसकी क्षतिपूर्ति नये पेड़ लगाकर नहीं की जाती है। हम घरों को प्राकृतिक रूप से ठंडा बनाये रखने वाली भवन निर्माण तकनीक नहीं अपना रहे हैं। यदि उष्मारोधी भवन निर्माण सामग्री को बढ़ावा दिया जाए तो लोगों को कम बिजली खपत से भी राहत मिल सकती है। हमारी जीवनशैली बिजली की खपत को लगातार बढ़ा रही है। यदि हमारे देश में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को बढ़ावा दिया जाए तो सड़कों पर निजी वाहनों का उपयोग कम होने से वाहनों के गर्मी बढ़ाने वाले उत्सर्जन को कम किया जा सकता है। हमें भवन निर्माण में छतों को ठंडा रखने वाली तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। ऐसी सामग्री या सिस्टम का उपयोग किया जाना चाहिए जो पारंपरिक छत की तुलना में ताप बढ़ाने वाली सूरज की रोशनी को परावर्तित कर सके। इन उपायों से हम ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को भी कम करने का प्रयास कर सकते हैं। इसके अलावा शहरी क्षेत्रों में हरियाली को बढ़ाकर और पारंपरिक जल निकायों को पुनर्जीवित करके हम तापमान को कम करने का प्रयास भी कर सकते हैं। सरकार और समाज की साझा जिम्मेदारी एक बड़े बदलाव की वाहक बन सकती है। स्थानीय निकाय, निजी क्षेत्र की संस्थाएं व गैर सरकारी संगठन निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

गांव से जिनेवा तक: भारत का सामाजिक सुरक्षा मॉडल

प्रो. आरके जैन

भारत की धरती पर एक ऐसी क्रांति जन्म ले रही है, जो न केवल आंकड़ों की किताबों में दर्ज होगी, बल्कि करोड़ों दिलों की धड़कनों में बसेगी। यह कहानी है 94 करोड़ लोगों की, जो आज सामाजिक सुरक्षा के अभेद्य कवच में सांस ले रहे हैं। यह कहानी है उस भारत की, जिसने एक दशक में असंभव को संभव कर दिखाया, विश्व मंच पर सामाजिक सुरक्षा कवरेज में दूसरा स्थान हासिल किया। 2015 में जहां केवल 19% आबादी इस सुरक्षा के दायरे में थी, वहीं 2025 में यह आंकड़ा 64.3% तक पहुंच गया। यह 45% का ऐतिहासिक उछाल केवल एक संख्या नहीं, बल्कि उस अटल संकल्प का प्रतीक है, जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सशक्त बनाने का वादा करता है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुई उस यात्रा का गवाह है, जो "सबका साथ, सबका विकास" को नारा नहीं, बल्कि हकीकत बनाती है। इस क्रांति की नींव उन कल्याणकारी योजनाओं पर टिकी है, जिन्होंने गरीबों, मजदूरों और समाज के हाशिए पर खड़े लोगों के जीवन को नई रोशनी दी। आयुष्मान भारत ने करोड़ों परिवारों को मुफ्त इलाज का सहारा दिया, तो अटल पेंशन योजना ने बुढ़ापे में आर्थिक सुरक्षा का भरोसा दिलाया। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और जन-धन योजना ने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों और महिलाओं को वह आत्मविश्वास दिया, जो उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता की ओर ले जाता है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने भारत की इस उपलब्धि को न केवल सराहा, बल्कि इसे वैश्विक मंच पर एक मिसाल के रूप में पेश किया। आईएलओ के महानिदेशक गिल्बर्ट एफ हुंगबो ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में जो प्रगति की है, वह विश्व के लिए एक प्रेरणा है।" यह प्रशंसा उस भारत की ताकत

को रेखांकित करती है, जो अपने हर नागरिक को गरिमा और सुरक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है। जिनेवा में आयोजित 113वें अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन में श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने भारत की इस उपलब्धि को गर्व के साथ प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा, "यह वृद्धि 'अंत्योदय' के उस सिद्धांत को साकार करती है, जो समाज के सबसे कमजोर व्यक्ति को सशक्त बनाने का वादा करता है।" भारत ने न केवल सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाया, बल्कि इसे डिजिटल और पारदर्शी बनाकर एक नया वैश्विक मानक स्थापित किया। आईएलओ के सहयोग से शुरू किया गया राष्ट्रीय डाटा पूलिंग अभियान इसकी सबसे बड़ी मिसाल है। यह अभियान न केवल लाभार्थियों की संख्या को ट्रैक करता है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि योजनाएं विधायी रूप से समर्थित और समयबद्ध हों। भारत 2025 के सामाजिक सुरक्षा डाटा को आईएलओएसटीएट डेटाबेस में अपडेट करने वाला पहला देश बना, जो इसकी डिजिटल प्रणालियों और पारदर्शिता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह उपलब्धि केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है। यह उस किसान की कहानी है, जो अब आयुष्मान भारत के तहत बिना चिंता के इलाज करवा सकता है। यह उस मजदूर की कहानी है, जिसे अटल पेंशन योजना ने बुढ़ापे में सहारा दिया। यह उस महिला की कहानी है, जो जन-धन खाते के माध्यम से अपनी मेहनत की कमाई को सुरक्षित रख सकती है। वर्तमान आंकड़े केवल प्रथम चरण को दर्शाते हैं, जिसमें केंद्रीय योजनाओं और आठ राज्यों की महिला-केंद्रित योजनाओं के लाभार्थी शामिल हैं। दूसरे चरण में यह कवरेज 100 करोड़ के आंकड़े को पार करने की ओर अग्रसर है। यह न केवल भारत के लिए, बल्कि विश्व के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होगा, जब एक अरब लोग सामाजिक सुरक्षा के दायरे में होंगे। भारत का यह समावेशी दृष्टिकोण इसे अन्य देशों से अलग करता है। सरकार ने सामाजिक सुरक्षा को एक नीति से आगे बढ़ाकर इसे अधिकार-आधारित बनाया है। मांडविया ने आईएलओ महानिदेशक के साथ चर्चा में इस बात पर जोर दिया कि मोदी सरकार का विजन समाज के हर वर्ग को सशक्त करना है। "हमारा लक्ष्य केवल आंकड़े बढ़ाना नहीं, बल्कि हर व्यक्ति के जीवन में वास्तविक बदलाव लाना है," उन्होंने कहा। यह दृष्टिकोण भारत को एक अनूठा स्थान देता है। जहां कई देश सामाजिक सुरक्षा को केवल एक प्रशासनिक कार्य के रूप में देखते हैं, भारत ने इसे एक राष्ट्रीय मिशन बना दिया है। डिजिटल इंडिया की ताकत ने इस क्रांति को और मजबूत किया है। आधार-लिंक्ड डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर और डिजिटल ट्रैकिंग ने यह सुनिश्चित किया कि योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुंचे। कई देश आज भी पारदर्शिता और पहुंच के मुद्दों से जूझ रहे हैं, लेकिन भारत ने डिजिटल प्रणालियों के माध्यम से इस चुनौती को अवसर में बदला। यह पारदर्शिता न केवल योजनाओं की विश्वसनीयता बढ़ाती है, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत को एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत करती है। यह यात्रा केवल शुरुआत है। 100 करोड़ लोगों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने का लक्ष्य अब बस कुछ कदम दूर है। यह उपलब्धि भारत की नीतियों, नेतृत्व और सामाजिक प्रतिबद्धता की ताकत को दर्शाती है। यह उन अनगिनत चेहरों की मुस्कान की कहानी है, जिनके लिए सामाजिक सुरक्षा ने नई उम्मीदें जगाईं। यह उस भारत की कहानी है, जो विश्व मंच पर न केवल अपनी आर्थिक शक्ति, बल्कि अपनी सामाजिक संवेदनशीलता के लिए जाना जाएगा। यह क्रांति रुकने वाली नहीं है। यह भारत की वह ताकत है, जो हर नागरिक को सशक्त बनाने का वादा करती है। यह एक ऐसे भारत का निर्माण है, जहां कोई भी पीछे न छूटे, जहां हर व्यक्ति का जीवन सुरक्षित और सम्मानजनक हो। यह नया भारत है-एक ऐसा भारत, जो विश्व को दिखा रहा है कि समावेशी विकास का सपना हकीकत बन सकता है। और जब यह सपना 100 करोड़ लोगों तक पहुंचेगा, तो यह न केवल भारत, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक स्वर्णिम अध्याय होगा।

तपिश से बचने के लिये

विजय गर्ग

ऐसे वक्त में जब भारत के अनेक हिस्सों में तेज गर्मी से पारा उछल रहा है, तपिश से बचने के लिये बिजली की मांग में अप्रत्याशित वृद्धि स्वाभाविक बात है। आम आदमी से लेकर खास आदमी तक गर्मी की तपिश से बचने के लिये कूलर से लेकर एसी तक का भरपूर इस्तेमाल करता है। हाल के दिनों में घरों, कार्यालयों, होटलों व मॉल तक में एसी का उपयोग बेतहाशा बढ़ा है। जिसके चलते गर्मियों के पीक सीजन में बिजली की खपत चरम पर पहुंच जाती है। ऐसे वक्त में केंद्र सरकार ने एयर कंडीशनर यानी एसी की पहचान बिजली की बढ़ती खपत के लिये जिम्मेदार खलनायक के रूप में की है। केंद्र सरकार योजना बना रही है कि घरों,होटलों व कार्यालयों में बीस डिग्री से अट्ठाइस डिग्री सेल्सियस के बीच इस्तेमाल होने वाले इस उपकरण की कूलिंग रेंज को मानकीकृत किया जाए। नए दिशा-निर्देश लागू होने के बाद एसी निर्माताओं को बीस डिग्री से कम तापमान पर कूलिंग प्रदान करने वाले एसी बनाने से रोक दिया जाएगा। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल खट्टर के अनुसार केंद्र सरकार की यह पहल बिजली बचाने और भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के प्रयासों का हिस्सा है। इस बात में दो राय नहीं कि गर्मियों की तपिश से बचने के लिये लोग अपने एसी को बहुत कम तापमान पर चलाते हैं। इस प्रवृत्ति का बिजली ग्रिड पर दबाव बहुत अधिक बढ़ जाता है। निश्चित रूप से इसके चलते बिजली कटौती की संभावना भी बहुत अधिक बढ़ जाती है। लेकिन इस संकट का अकेला मुख्य समाधान एसी को बेहद कम तापमान पर चलाया जाना ही नहीं है। इसके अलावा अन्य कारक भी हैं। यह भी एक हकीकत है कि सरकारी व निजी कार्यालयों में एसी का उपयोग काफी लंबे समय तक अंधाधुंध ढंग से किया जाता है। यहां इसके उपयोग में किफायत बरतने की दिशा में भी कदम उठाने की जरूरत है। निस्संदेह, ऊर्जा मंत्रालय का ऊर्जा नियामक ब्यूरो, बिजली खपत कम करने वाले उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा देता है। लेकिन जब गर्मी रिकॉर्ड तोड़ती बढ़ रही है तो तापमान बढ़ने पर बिजली की खपत अनिवार्य रूप से बढ़ने लगती है। लेकिन इसका एकमात्र कारण एसी का बढ़ता उपयोग ही नहीं है। हमें खुद से सवाल पूछने की जरूरत है कि हमारे शहर इतने गर्म क्यों हो रहे हैं? हम इस बढ़ते तापमान से नागरिकों को राहत क्यों नहीं दे पा रहे हैं। अंधाधुंध-अवैज्ञानिक तरीके से हो रहे निर्माण कार्य भी इसमें कम दोषी नहीं हैं। हमने चारों तरफ कंक्रीट के जंगल तो बना दिए लेकिन शहरों में हरियाली का दायरा लगातार सिमटता जा रहा है। जिससे हवा का प्राकृतिक प्रवाह भी बाधित हो रहा है। विकास के नाम पर जो सैकड़ों वर्ष पुराने पेड़ काटे जाते हैं, उसकी क्षतिपूर्ति नये पेड़ लगाकर नहीं की जाती है। हम घरों को प्राकृतिक रूप से ठंडा बनाये रखने वाली भवन निर्माण तकनीक नहीं अपना रहे हैं। यदि उष्मारोधी भवन निर्माण सामग्री को बढ़ावा दिया जाए तो लोगों को कम बिजली खपत से भी राहत मिल सकती है। हमारी जीवनशैली बिजली की खपत को लगातार बढ़ा रही है। यदि हमारे देश में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को बढ़ावा दिया जाए तो सड़कों पर निजी वाहनों का उपयोग कम होने से वाहनों के गर्मी बढ़ाने वाले उत्सर्जन को कम किया जा सकता है। हमें भवन निर्माण में छतों को ठंडा रखने वाली तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। ऐसी सामग्री या सिस्टम का उपयोग किया जाना चाहिए जो पारंपरिक छत की तुलना में ताप बढ़ाने वाली सूरज की रोशनी को परावर्तित कर सके। इन उपायों से हम ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को भी कम करने का प्रयास कर सकते हैं। इसके अलावा शहरी क्षेत्रों में हरियाली को बढ़ाकर और पारंपरिक जल निकायों को पुनर्जीवित करके हम तापमान को कम करने का प्रयास भी कर सकते हैं। सरकार और समाज की साझा जिम्मेदारी एक बड़े बदलाव की वाहक बन सकती है। स्थानीय निकाय, निजी क्षेत्र की संस्थाएं व गैर सरकारी संगठन निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

संक्षिप्त समाचार

विधानसभा चुनाव को लेकर बीएलओ का मूल्यांकन व क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण संपन्न

18+ को हर हाल में जोड़ा जाएगा मतदाता सूची में नाम

रिपोर्ट- अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद)आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर मतदाता सूची के अद्यतन और सुदृढ़ीकरण की दिशा में प्रशासनिक तैयारियों को गति देते हुए बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) का मूल्यांकन एवं क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दाउदनगर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) अमित कुमार राजन की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। बैठक में 32 बीएलओ सुपरवाइजर मौजूद रहे, जिन्हें मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में बेहतर समन्वय, निगरानी और बीएलओ के कार्यों की समीक्षा हेतु प्रशिक्षित किया गया। एसडीओ ने सभी सुपरवाइजरों से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्र के बीएलओ की कार्यशैली पर नजर रखें और सुनिश्चित करें कि 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी पात्र नागरिकों का नाम हर हाल में मतदाता सूची में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता सूची का दुरुस्त और पारदर्शी होना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए बीएलओ की भूमिका अहम है, और इस जिम्मेदारी को ईमानदारी व सतर्कता से निभाना होगा। बैठक में हसपुरा प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) प्रदीप कुमार चौधरी और गोह बीडीओ राजेश कुमार दिनकर भी मौजूद रहे। उन्होंने भी बीएलओ सुपरवाइजरों को निर्देशित किया कि वे समय-समय पर फील्ड विजिट करें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी योग्य मतदाता छूटने न पाए। प्रशिक्षण सत्र में मुख्य बिंदु पात्र मतदाताओं की पहचान और नामांकन,बीएलओ के कार्यों की मॉनिटरिंग,मतदाता सूची में त्रुटियों को दूर करना,दिव्यांग व वरिष्ठ नागरिकों को प्राथमिकता,नए मतदाताओं को प्रोत्साहित कर नामांकन कराना एसडीओ अमित कुमार राजन ने कहा कि निर्वाचन आयोग के निदेर्शों का पालन करते हुए हर एक नागरिक को मतदान का अधिकार सुनिश्चित किया जाना प्राथमिकता है। उन्होंने सभी सुपरवाइजरों को सतर्क रहकर काम करने और किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचने की चेतावनी भी दी। कार्यक्रम का उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को बेहतर, पारदर्शी और सबको शामिल करने योग्य बनाना था।

अहमदाबाद में हुए विमान हादसे की घटना पर दी प्रतिक्रिया प्रशांत किशोर, कहा प्लेन क्रैश की घटना बेहद दुखद

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर बिहार बदलाव यात्रा के तहत औरंगाबाद के एक दिवसीय दौरे पर हैं। नबीनगर में जनसभा को संबोधित करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अहमदाबाद में प्लेन क्रैश की घटना बहुत दुखद है। विमान हादसे में इतने लोगों की मौत बहुत दुखद है। इसके साथ ही समस्तीपुर की सांसद शाम्भवी चौधरी के समस्तीपुर से चुनाव लड़ने की चुनौती पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि हम सिर्फ समस्तीपुर से ही नहीं बल्कि सभी 243 सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं। हम उन्हें, उनकी पार्टी को, उनके पिताजी की पार्टी को, सबको चुनौती दे रहे हैं।

जेठ पूर्णिमा पर विष्णु धाम में महाआरती एवं सिंह प्रतिमा का अनावरण

रिपोर्ट प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले का प्रसिद्ध तीर्थ स्थल विष्णु धाम के प्रांगण में ग्रीष्म ऋतु के अवसान एवं वर्षा ऋतु के आगमन के मध्य वेला जेठ पूर्णिमा के अवसर पर महाआरती का आयोजन किया गया।संध्या में विष्णु धाम परिसर स्थित भगवान विष्णु एवं अन्य देवी देवताओं की षोडशोपचार विधि से पूजा अर्चना की गई।तत्पश्चात भगवान विष्णु के विभिन्न अवतार एवं उनके अद्भुत एवं दिव्य चरित्र को संपोषित आरती का गान किया गया। विष्णु धाम के वर्तमान महंत बालकानंद ब्रह्मचारी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का संचालन जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में जम्होर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि प्रदीप कुमार सिंह,सरपंच पप्पू ज्वाला सिंह,उपसरपंच सतीश कुमार वर्मा की गरिमामई उपस्थिति रही। वहीं समाजसेवी राजू वर्मा,जम्होर विकास मंच के सचिव राणा सुनील सिंह, विष्णु धाम महोत्सव समिति के सक्रिय कार्यकर्ता कुंदन कुमार सोनू,आचार्य मधुसूदन त्रिवेदी,अमित कुमार,राजू सिंह सहित अन्य लोगों ने हिस्सा लिया।महाआरती के पश्चात महंत बालकानंद ब्रह्मचारी जी के बैठने का स्थान के बाएं और दाएं जो सिंह की प्रतिमा स्थापित की गई थी,उसका अनावरण किया गया।अनावरण के पश्चात उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि बायीं और दायीं सिंह की प्रतिमा इस बात का प्रतीक है कि सिंह के दृढ़ शक्ति के जैसे अडिग होकर यहां पर अपनी कार्य सेवा एवं धार्मिक संप्रेषण को मूर्त रूप प्रदान करेंगे। महाआरती के संदर्भ में सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि जिस धार्मिक स्थल पर महाआरती का आयोजन होता है उस स्थल पर उस दिन कोई भी पूजा पाठ किया जाए तो उसकी विशेष फल की प्राप्ति होती है।यह भी बताया कि विष्णु धाम जैसा स्थल में पूर्णिमा तिथि अति महत्वपूर्ण है।इस तिथि को जो भी श्रद्धालु भक्त शामिल होतें हैं,उनकी मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है।

देश के इतिहास में मोदी सरकार का यह कार्यकाल स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जायेगा

मोदी सरकार के 11 साल विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की सिद्धि का स्वर्णिम काल रहा है

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- मोदी सरकार के 11 वर्ष सेवा , सुशासन व गरीब कल्याण के पूरे होने पर आज औरंगाबाद जिला अतिथि गृह में भाजपा द्वारा एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता को भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता पीयूष शर्मा ने संबोधित किया। प्रेस वार्ता की अध्यक्षता पार्टी के जिलाध्यक्ष विजेन्द्र चन्द्रवंशी व संचालन जिला प्रवक्ता अश्विनी तिवारी ने किया । प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए श्री पीयूष शर्मा ने मोदी सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर कहा कि देश के इतिहास में मोदी सरकार का यह कार्यकाल स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जायेगा। यह कार्यकाल विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की सिद्धि का स्वर्णिम काल बन रहा है। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सोच में जहां तकनीक है , वहां तरक्की है , जहां भाजपा सरकार है , वहां गरीब का कल्याण है । शासन अब सेवा है , सरकार अब सहभागी है , सुशासन अब संस्कृति है । मोदी सरकार देश की राजनीति में पालिटिक्स आफ परफार्मेंस लेकर आयी है । 2014 से पहले भारत में भ्रष्टाचार, घोटाले और तुष्टिकरण की हीं बात सामने आती थी , लेकिन अब विकास, आविष्कार और नवाचार की बातें हो रही हैं। यही है वो बुलंदी जहां भारत आज पहुंच गया है । सिर्फ आंकड़े नहीं,ये नये भारत की उपलब्धियां हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 11 वर्षों में सेवा सुशासन व जनकल्याण की प्रेरणा दायक यात्रा एक ऐसा युग जहां सरकार नहीं परिवार बनकर हर नागरिक के सुख दुख में साथ रहे । पीयूष शर्मा ने कहा कि हमारा यह सिर्फ शासन नहीं जनसेवा का संकल्प है , जहां हर निर्णय में जन की भावना,और हर नीति में उनके कल्याण की भावना बसती है। आज आर्थिक उन्नति में भारत 11 वें में से चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनी है । 60 वर्षों में 1 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था से 11 वर्षों में 4 ट्रिलियन तक की छलांग हुआ है। पच्चीस करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आये हैं। आज देश में प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत देश के 55 करोड़ लोगों का बैंक खाता खुला है । वहीं भारत इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में भारत माला,सागरमाला, उड़ान योजना से सड़क, बंदरगाह और हवाईअड्डे के संपर्क में क्रांति आई है वंदे भारत ट्रेन की शुरूआत हुई है। चिकित्सा के क्षेत्र का भविष्य उज्जवल हुआ है। 2014 में मेडिकल कालेजों की संख्या 387 थी ,आज 2025 में 780 हो गई है। MBBS सीटें 2014 से पहले 51,348 थी ,आज 1.18 लाख से अधिक हो गई है। आयुष्मान भारत योजना के तहत - 50 करोड़ लोगों का आयुष्मान कार्ड 10 करोड़ गरीब परिवारों को 5 लाख रूपए का मुफ्त इलाज संपन्न हुआ है। 6.5 करोड़ लोगों को 81,979 करोड़ का लाभ मिला है । आज हर साल एक नया IIT, और IIM खुल रहा है। हर हफ्ते एक नये विश्वविद्यालय की स्थापना हर दिन एक नये कालेज का उद्घाटन हो रहा है। 2014 से पहले 16 IITथे,आज 2025 में 23 है गये हैं। 2014-15 में कालेजों

की संख्या 38,498 थी ,आज 2025 में 51.959 हो गई है। University की संख्या 760 से बढ़कर 1334 है गया है। पीएम श्री के तहत 14,502 विद्यालय विकसित हो चुके हैं। एम्स की संख्या 08 से बढ़कर 23 हो चुका है। किसान कल्याण के लिए अबतक का सबसे बड़ा बजट आया है । किसान सम्मान निधि से 12 करोड़ किसानों को प्रतिवर्ष 6000 रूपए की सहायता दी जा रही है। 3.7लाख करोड़ सीधे खाते में भेजें जा रहे हैं।

आज ,धान के टरढ में 80%और गेहूं में 75%की वृद्धि हुई है 2013-14 में 1310/क्विंटल आज 2025-26 में 2369 रूपए प्रति क्विंटल हुआ है। दूध उत्पादन में 63.56% की वृद्धि हुई है । 2013-14 में 146.3 मिलियन टन था आज 239 मिलियन टन हुआ है ।स्वच्छ भारत मिशन से 12 करोड़ शौचालय का निर्माण हुआ है। 15.6 करोड़ से ज्यादा नल से जल का कनेक्शन लगाया गया है । आज युवाओं को नई ऊंचाईयों पर ले जा रही कौशल शक्ति । पिछले 11 वर्षों में 17.1 करोड़ नौकरियां सृजित किए गए। आज देश में मंदिरों के गलियारे और तीर्थ स्थलों का अभूतपूर्व विकास हुआ है। अयोध्या में भव्य राममंदिर, महाकाल कारिडोर का निर्माण,बनारस में कारिडोर का निर्माण, विंध्याचल में कारिडोर का निर्माण इसके प्रमुख उदाहरण हैं। धारा 370 की समाप्ति,देश में उअअ लागू, ट्रिपल तलाक की समाप्ति, महिला आरक्षण, डिजिटल क्रांति,जन औषधि केन्द्र,मिशन चन्द्रयान, नई संसद भवन , करतारपुर कारिडोर, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी,भारत मंडपम, हर हफ्ते 236 किमी हाईवे का विस्तार ,हर हफ्ते 98 किमी नये रेलवे ट्रैक ,हर दिन 15 से ज्यादा नये ट्रेन कोच ,हर दिन 70000 करोड़ से ज्यादा रूपए के UPI ट्रांजेक्शन हर 24 घंटे में एक नये ITI हर दिन बन रहे 4 से ज्यादा लोकोमोटिव,देश में पहला फारेंसिक विश्वविद्यालय,पहला रेल व परिवहन विश्वविद्यालय,उतर पूर्व में पहला AIIMS, सिलवासा में पहरा मेडिकल कॉलेज, लद्दाख में पहला केन्द्रीय विश्वविद्यालय, 81 करोड़ लोगों को मुफ्त में राशन, मखाना बोर्ड की स्थापना, ग्रामीण विद्युतीकरण योजना से देश के लगभग सभी गांवों में बिजली, प्रधानमंत्री आवास योजना से 4 करोड़ लोगों को आवास , 51.06 करोड़ प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत 52.5 करोड़ से ज्यादा का लोन स्वीकृत ,जैसे सैकड़ों कार्य इन 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा किए गए हैं। इन 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी जी ने एक नये भारत का निर्माण किया है। यह 11 साल सेवा , सुशासन और गरीब कल्याण के लिए समर्पित है। आज के प्रेस वार्ता में प्रदेश मंत्री श्री मुकेश शर्मा, कार्यक्रम प्रभारी सीडी शर्मा,जिला प्रभारी मनोज कुशवाहा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशोक सिंह, महामंत्री सतीश सिंह,वैभव विशाल टैगोर, उपाध्यक्ष शारिका शेखर, रंजीत कुशवाहा,जिला प्रवक्ता अश्विनी तिवारी, जितेंद्र गुप्ता, विवेक कुमार उपस्थित रहे ।

एनएच 19 पर दुर्घटनाग्रस्त मां - बेटे को समाजसेवी बमेंद्र ने पहुंचाया अस्पताल

घायलों को अस्पताल पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी एवं मानव धर्म है: बमेंद्र

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर क्षत्रिय नगर के समीप बुधवार की रात्रि 9 बजे ट्रक की चपेट में आकर बाईक सवार मां बेटा घायल हो गए। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।तभी पथ प्रदर्शक स्वयं सेवी संस्था के सचिव समाजसेवी बमेंद्र कुमार सिंह वहां पहुंचे और बिना देर किए घायल दोनों मां बेटे को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाएं जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेटे की स्थिति को गंभीर देखते हुए उन्हें रेफर कर दिया गया। शुभम को सिर में काफी गहरा चोट लगी थी।बेहतर इलाज के लिए परिजन शुभम को ट्रामा सेंटर वाराणसी ले गए।घायलों की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भरथौली निवासी उदय सिंह के पुत्र शुभम सिंह और उनकी पत्नी देवंती देवी के रूप में की गई है। समाजसेवक बमेंद्र ने बताया कि दोनों मां बेटे शहर से अपने घर जा रहे थे। तभी किसी ट्रक की चपेट में आ गए। उन्होंने कहा कि

दुर्भाग्य की बात यह है कि घटनास्थल पर भीड़ देखकर एक पुलिस की बोलेरो गाड़ी रुकी और उसमें से जवान भी उतरे। सभी ने हादसे को देखा लेकिन कोई मदद नहीं की और चलते बने। उन्होंने कहा कि पुलिस के इस रवैए को लेकर लोगों में आक्रोश देखा गया। बमेंद्र ने कहा कि सड़क हादसे में दुर्घटनाग्रस्त एवं घायलों को अस्पताल पहुंचाना हम सबों की जिम्मेदारी एवं मानव धर्म है।एक तरफ जहां सरकार द्वारा घायलों को अस्पताल पहुंचाने पर पुरस्कृत किया जाता है वहीं दूसरी तरफ सड़क पर पड़े घायलों को देख पुलिस का न रुकना काफी निंदनीय है।

जन सुराज पार्टी के संगठन विस्तार पर की गई चर्चा

एक करोड़ लोगों से हस्ताक्षर कराकर पार्टी के नेता प्रशांत किशोर मुलाकात करेंगे महामहिम राज्यपाल से : ललन कुमार

मुंगेर।

जन सुराज पार्टी के तत्वाधान में गुरुवार को पूरबसराय स्थित जिला कार्यालय में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के जिला अध्यक्ष योगेंद्र मंडल तथा संचालन युवा जिला अध्यक्ष राकेश गोप ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में जन सुराज पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सेवानिवृत आईएएस अधिकारी ललन कुमार मौजूद थे। बैठक के दौरान पार्टी के संगठनात्मक बदलाव को लेकर चर्चा की गई। जिसमें जिला स्तरीय कमेटी तथा अनुमंडलीय कमेटी का विस्तार करते हुए नव चयनित पदाधिकारी के नाम की घोषणा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर के नेतृत्व में बिहार में बदलाव की बयार चल पड़ी है और आम जनता का लगातार इस अभियान के साथ जुड़ाव बढ़ता जा रहा है। वर्तमान राज्य सरकार के द्वारा जो बिहार के आम जनता को भरोसा दिलाया गया था उसे पर राज्य सरकार खड़ी नहीं उतर रही है। बिहार की जनता के साथ छलावा किया जा रहा है। बिहार के सभी जिला स्तरीय, प्रखंड स्तरीय और अंचल स्तरीय कार्यालय में भ्रष्टाचार चरम सीमा पार है। बिहार में राज्य सरकार द्वारा कराए गए जातीय सर्वेक्षण के आधार पर बीपीएल परिवार को दो-दो लाख रुपए सहायता राशि दिए जाने की घोषणा की गई थी। इसके अलावा बिहार के भूमिहीन परिवारों को 3 डिसमिल जमीन देने को लेकर जो वायदा किया गया था, उस पर भी सरकार खड़ी नहीं उतरी है। बिहार में भूमि सर्वे के नाम पर बिहार की जनता को आपस में लड़ाने का एक षड्यंत्र किया जा रहा है, जिसमें मंत्री से लेकर अंचल अधिकारी तक के जेब गर्म हो रहे हैं। सरकार के इन वायदा खिलाफी का विरोध करने के उद्देश्य से पार्टी की ओर से हस्ताक्षर अभियान चलाए जा रहे हैं। इस हस्ताक्षर अभियान से बिहार के सभी जिलों से एक करोड़ लोगों के हस्ताक्षर कराए जाने के बाद जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर बिहार के राज्यपाल तथा मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे। मौके पर प्रदेश कार्य समिति सदस्य शहाब मालिक, रोहित सिन्हा, निरंजन निषाद, प्रदेश युवा महासचिव समीर मधुकर, महिला जिला अध्यक्ष कविता देवी, संगठन जिला अध्यक्ष अनितेश कुमार सिंह, जमालपुर नगर

अध्यक्ष राकेश कुशवाहा, संगठन युवा जिला अध्यक्ष ऋतुराज वसंत, सुबोध तांती, जमालपुर नगर परिषद की उपमुख्य पार्षद महिला नेत्री अंजली कुमारी सहित पार्टी के अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

नागाईन गांव में अतिक्रमण हटाने गई प्रशासनिक टीम पर पथराव

कई घरों पर चला बुलडोजर, पुलिस की गाड़ी क्षतिग्रस्त

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)गोह प्रखंड के नागाईन गांव में गुरुवार को अतिक्रमण हटाने पहुंची प्रशासनिक टीम को भारी विरोध का सामना करना पड़ा। अतिक्रमण हटाने के दौरान पहले तो माहौल सामान्य रहा, लेकिन बाद में हालात बेकाबू हो गए। लोगों ने पथराव कर दिया।जिससे पुलिस की एक निजी गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। हालात बिगड़ते देख प्रशासनिक अधिकारी मौके से गाड़ी छोड़कर भाग खड़े हुए। 15 अतिक्रमणकारी घरों पर चला बुलडोजर, कोर्ट स्टे के बाद कार्रवाई रोकनी पड़ी सूत्रों के अनुसार, प्रशासन ने एक सप्ताह पूर्व ही अतिक्रमण हटाने को लेकर नोटिस जारी कर दिया था। इसके बाद गुरुवार को दोपहर करीब 2 बजे पानी टंकी के पास बलि पासवान के घर से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। इसके बाद एक-एक कर लगभग 15 घरों पर बुलडोजर चला। स्टे ऑर्डर के बाद भड़का जनाक्रोश जैसे ही बुलडोजर अखिलेश शर्मा के घर तक पहुंचा, उन्होंने और चित्रसेन ओझा ने सीओ को कोर्ट का स्टे ऑर्डर दिखाया। इसके बाद प्रशासन ने आगे की कार्रवाई तत्काल रोक दी। इसी बीच स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए और पुलिस व प्रशासनिक अमले पर ईंट-पत्थर चलाने लगे। सीओ

समेत पुलिस बल को भागना पड़ा, पुलिस की गाड़ी क्षतिग्रस्त पथराव के चलते अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सीओ अजय कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारी और पुलिसकर्मी जान बचाकर वहां से भागे। पथराव में एक पुलिस गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। घटना के बाद जब सीओ अजय कुमार सिंह का पक्ष जानने की कोशिश की गई, तो उनका सरकारी मोबाइल नंबर लगातार कॉल करने के बावजूद नहीं उठाया गया। स्थानीय लोगों में नाराजगी, प्रशासन पर पक्षपात का आरोप घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। कई ग्रामीणों ने प्रशासन पर पक्षपात का आरोप लगाया है और कहा कि बिना पूरी कानूनी प्रक्रिया के ही कार्रवाई की जा रही थी। वहीं जिनका घर तोड़ा गया, वे अपने परिवार समेत खुले आसमान के नीचे आ गए हैं। नागाईन गांव में प्रशासन की ओर से की गई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान अचानक हालात बिगड़ गए और प्रशासन को भारी विरोध का सामना करना पड़ा। कोर्ट स्टे ऑर्डर, पथराव और अफरा-तफरी के बीच यह सवाल उठने लगा है कि क्या प्रशासन ने पूरी तैयारी के साथ यह कदम उठाया था? फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है लेकिन तनाव अभी भी बरकरार है। थानाध्यक्ष मोहम्मद इरशाद ने बताया कि प्रशासन के द्वारा ले जाई गई एक निजी वाहन को पथराव में क्षतिग्रस्त किया गया है। पथराव

में किसी भी पुलिसकर्मी चोटिल नहीं हुए हैं

पैसे मांगने के बहाने देर रात घर में घुसा युवक, जबरन बनाने लगा संबंध,गुस्साई महिला ने काट दिया प्राइवेट पार्ट

बिहार:

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां पर एक युवक घर में घुसकर महिला के साथ रेप करने की कोशिश करने लगा। विरोध करते हुए महिला ने उसका प्राइवेट पार्ट काट दिया, जिसके बाद वे लहूलुहान हो गया। आनन-फानन में स्थानीय लोग उसे अस्पताल ले गए, जहां पर उसका इलाज चल रहा है।

गुस्साई महिला ने काट दिया प्राइवेट पार्ट

जानकारी के मुताबिक, मामला जिले के पारू थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि महिला ने गांव के एक 35 वर्षीय युवक से कर्ज लिया हुआ था। मनचला कर्ज के पैसे मांगने के बहाने बुधवार देर रात महिला के घर में घुस गया और उसके साथ जबरन संबंध बनाने की कोशिश करने लगा। विरोध करने के बावजूद नहीं रुकने पर गुस्साई महिला ने पास पड़े पहसुल से युवक का प्राइवेट पार्ट काट दिया। आनन-फानन में स्थानीय लोग उसे अस्पताल ले गए, जहां पर उसका इलाज चल रहा है। वहीं, इस संबंध में पारू थानाध्यक्ष ने बताया कि अभी तक शिकायत नहीं मिली है। अगर शिकायत मिलती है तो उचित कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि युवक शादीशुदा था, लेकिन दोनों पति-पत्नी अलग रहते हैं।

दिल्ली में पारा 45 डिग्री के पार, शुक्रवार से गर्मी से मिलेगी थोड़ी राहत

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। कई इलाकों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस को पार गया, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शुक्रवार से गर्मी से थोड़ी राहत मिलने का पूर्वानुमान है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने गुरुवार को भी इसी तरह के मौसम की उम्मीद जताते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। गुरुवार तक दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में हीटवेव की स्थिति बनी रहेगी। हालांकि, 13 जून की रात और 14 जून को पश्चिमी विक्षोभ के कारण हल्की बारिश होने की संभावना के साथ गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है। मौसम विभाग के बुधवार दोपहर 2 बजे जारी बुलेटिन के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर के कई हिस्सों में हीटवेव की स्थिति बनी रहेगी और तापमान 44 से 46 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। भीषण गर्मी के साथ ही राजधानी में हवा में नमी की मात्रा सुबह के समय 39 प्रतिशत रही। वहीं, दक्षिण-पश्चिमी शुष्क हवाओं के कारण गर्मी और ज्यादा असहनीय हो गई है। मौसम विभाग ने बताया कि 12-16 जून के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा तथा 12-14 जून के दौरान कोंकण और गोवा में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला 12 जून को मसूरी में प्रशासनिक सेवा अधिकारियों को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में प्रशिक्षणरत भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों को संबोधित करेंगे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 19 राज्यों से प्रोन्नत 97 अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। जनसंपर्क अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला 12 जून को सुबह पौने दस बजे जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचेंगे और इसके बाद 11 बजकर 30 मिनट पर मसूरी पहुंचेंगे। लोकसभा अध्यक्ष उसी दिन दिल्ली वापस लौट जाएंगे। गौरतलब है कि मसूरी स्थित प्रशासनिक अकादमी में 127 वां इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम राज्य सिविल सेवाओं से भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रोन्नत अधिकारियों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। इस पाठ्यक्रम में 19 राज्यों की सेवाओं से प्रोन्नत 97 अधिकारी शामिल हैं, जिनमें 73 पुरुष अधिकारी और 24 महिला अधिकारी हैं। यह कार्यक्रम 'विकसित भारत 2047 की राष्ट्रीय दृष्टि और 'मिशन कर्मयोगी' के रूपांतरणीय लक्ष्यों से प्रेरित होकर अधिकारियों को राज्य-स्तरीय प्रशासनिक भूमिकाओं से राष्ट्रीय-स्तर की नेतृत्वकारी जिम्मेदारियों में सुगम रूपांतरण के एक सुव्यवस्थित मंच प्रदान करता है। इसका उद्देश्य नीति निर्माण, अंतर-क्षेत्रीय समन्वय और संस्थागत नेतृत्व के लिए नैतिक, सक्षम और भविष्य के लिए तैयार सिविल सेवकों का निर्माण करना है।

एनसीसी कैडेट्स ने रचा इतिहास, माउंट एवरेस्ट किया फतह, रक्षा राज्य मंत्री ने दी बधाई

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के एक दल ने विश्व की सबसे ऊंची पर्वत की चोटी माउंट एवरेस्ट को सफलतापूर्वक फतह किया है। पर्वतारोहण के क्षेत्र में यह शानदार उपलब्धि हासिल करने वाले इन युवाओं ने ऐसा करके विश्व पटल पर भारत का गौरव बढ़ाया है। बुधवार को भारत के रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने माउंट एवरेस्ट अभियान के विजेताओं से मुलाकात की। नई दिल्ली में हुई इस मुलाकात के अवसर पर कैडेट्स ने रक्षा राज्य मंत्री के समक्ष अपने अनुभव साझा किए। राष्ट्रीय कैडेट कोर के इस दल ने माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई अभियान की योजना, प्रशिक्षण तथा चढ़ाई के दौरान आई चुनौतियों के बारे में रक्षा राज्यमंत्री को विस्तार से बताया। रक्षा राज्य मंत्री ने कैडेट्स के साहस, समर्पण और टीम भावना की सराहना की तथा उनके अद्भुत कार्य के लिए बधाई दी। यह उपलब्धि एनसीसी का अब तक का तीसरा सफल एवरेस्ट अभियान है। इससे पहले 2013 और 2016 में भी ऐसे अभियान सफलतापूर्वक पूरे किए गए थे। इस बार के अभियान दल में कुल 10 कैडेट्स शामिल थे। इनमें 5 लड़के और 5 लड़कियां थीं। एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली इस टीम की औसत उम्र मात्र 19 वर्ष थी। इतना ही नहीं, इनमें से कई तो नवशिक्षित पर्वतारोही भी थे।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिले हरियाणा विस स्पीकर हरविंदर कल्याण

नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने नई दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ आधिकारिक बैठक की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच गुरुग्राम में होने वाले शहरी स्थानीय निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन के सफल आयोजन को लेकर चर्चा हुई। बैठक में यह तय हुआ कि शहरी स्थानीय निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन आगामी 3 और 4 जुलाई को गुरुग्राम में किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आयोजन की मेजबानी हरियाणा विधानसभा करेगी। विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने हरियाणा विधानसभा की ओर से मेजबानी का अवसर प्रदान करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया। कल्याण ने कहा कि इस सम्मेलन में देशभर से शहरी स्थानीय निकायों से जुड़े जनप्रतिनिधि, विशेषज्ञ और नीति निर्माता भाग लेंगे। यह सम्मेलन शहरी विकास, स्थानीय स्वशासन और नागरिक सेवाओं के सशक्तिकरण पर केंद्रित होगा।

यूएई ने आतंकवाद पर भारत के रुख पर समर्थन दोहराया

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के नेतृत्व द्वारा दिए गए समर्थन और भारत के साथ एकजुटता व्यक्त करने की सराहना की है।यूएई ने विदेश सचिव विक्रम मिस्री के मंगलवार 10 जून को आबू धाबी की यात्रा के दौरान यह रुख दोहराया। यह यात्रा विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और यूएई के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाह्यान के बीच गत वर्ष 13 दिसंबर को नयी दिल्ली में आयोजित 15वीं संयुक्त आयोग बैठक के बाद हुई है। विदेश मंत्रालय ने आज यहां बताया कि अपनी यात्रा के दौरान विदेश सचिव श्री मिस्री ने भारत और यूएई के बीच व्यापक रणनीतिक साझीदारी के संपूर्ण पहलुओं की समीक्षा करने के लिए यूएई के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग राज्य मंत्री रीम अल हाशिम के साथ

द्विपक्षीय बैठक की। बैठक में चर्चा व्यापार, निवेश, ऊर्जा, संस्कृति, रक्षा, प्रौद्योगिकी, कांसुलर मामलों सहित विभिन्न क्षेत्रों में बहुआयामी द्विपक्षीय साझीदारी के दायरे को बढ़ाने पर केंद्रित थी। दोनों पक्षों ने आपसी हितों को बढ़ावा देने के लिए बहुपक्षीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर मिलकर काम करने पर सहमति जताई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि उन्होंने पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद यूएई नेतृत्व द्वारा दिए गए समर्थन और एकजुटता की सराहना की। विदेश सचिव ने यूएई के सहिष्णुता और सह-अस्तित्व मंत्री शेख नाह्यान बिन मुबारक अल नाह्यान से मुलाकात की और यूएई में रह रहे 43 लाख भारतीयों की देखभाल के लिए शेख नाह्यान को धन्यवाद दिया, जिन्होंने यूएई को अपना दूसरा घर बना लिया है। विदेश सचिव ने यूएई संघीय राष्ट्रीय परिषद के सदस्य और परिषद में रक्षा मामलों, आंतरिक और विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष और आबू धाबी स्थित चरमपंथ और हिंसक चरमपंथ का मुकाबला करने के लिए उत्कृष्टता के अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, हेदयाह के अंतर्राष्ट्रीय संचालन बोर्ड के अध्यक्ष अली राशिद अल नूमी के साथ भी एक महत्वपूर्ण बैठक की। चर्चाओं में सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद से लड़ने के लिए दोनों देशों के साझा दृढ़ संकल्प की पुष्टि करने का एक और अवसर मिला।

भारत के बुनियादी ढांचे का विकास, जीवन को आसान बना रहा है : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में पिछले 11 वर्षों में किए गए बुनियादी ढांचे के विकास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रेलवे से लेकर राजमार्गों, बंदरगाहों से लेकर हवाई अड्डों तक, भारत का तेजी से फैल रहा बुनियादी ढांचा नेटवर्क 'जीवन को आसान' बना रहा है और समृद्धि को बढ़ा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपनी सरकार के 10 जून को अपने तीसरे कार्यकाल का एक वर्ष, यानी कुल 11 वर्ष पूरे करने के अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने बुनियादी ढांचे में भारत की उत्कृष्ट प्रगति पर जोर दिया - रेलवे, राजमार्गों, बंदरगाहों और हवाई अड्डों तक - जिससे बेहतर कनेक्टिविटी, आर्थिक विस्तार और नागरिकों के लिए जीवन को आसान बनाने और समृद्धि में वृद्धि हुई है। श्री मोदी ने लिखा, ÷ये बुनियादी ढांचागत विकास के 11 वर्ष रहे हैं, जिसमें उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे को खड़ा किया गया है जिसने भारत के विकास प्रक्षेपवक्र को बढ़ाया है। रेलवे से लेकर राजमार्गों,

बंदरगाहों से लेकर हवाई अड्डों तक, भारत का तेजी से फैल रहा इंफ्रा नेटवर्क 'जीवन को आसान बनाने' और समृद्धि को बढ़ाने में मदद कर रहा है। उन्होंने लिखा, अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे के लिए भारत का प्रयास स्थिरता और दीर्घकालिक दृष्टि से प्रेरित है। यह आत्मनिर्भर भारत की नींव रख रहा है।

न्यायिक सक्रियता को न्यायिक आतंकवाद में नहीं बदलना चाहिए : सीजेआई गवई

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस बी. आर. गवई ने कहा कि भारत में न्यायिक सक्रियता का महत्व अवश्य है, लेकिन न्यायपालिका को उन सीमाओं का भी ध्यान रखना चाहिए, जहां उसका हस्तक्षेप अनुचित हो सकता है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, ÷न्यायिक सक्रियता को न्यायिक आतंकवाद में नहीं बदलना चाहिए। सीजेआई गवई ऑक्सफोर्ड यूनियन में एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने कहा, ÷कभी-कभी न्यायपालिका अपनी सीमाएं पार करने की कोशिश करती है और उन क्षेत्रों में प्रवेश कर जाती है, जहां सामान्यतः उसे नहीं जाना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि यदि विधायिका या कार्यपालिका नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा में विफल रहती है, तो न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना पड़ेगा। लेकिन, न्यायिक पुनरावलोकन की शक्ति का प्रयोग बहुत ही सीमित और अपवाद स्वरूप

मामलों में किया जाना चाहिए। सीजेआई गवई ने कहा, जब कोई कानून संविधान की मूल संरचना के विरुद्ध हो या मौलिक अधिकारों से सीधे टकराता हो या फिर यदि कोई कानून स्पष्ट रूप से मनमाना और भेदभावपूर्ण हो, तो न्यायालय इसमें हस्तक्षेप कर सकते हैं और उन्होंने ऐसा किया भी है। अपने व्यक्तिगत अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के संविधान ने यह संभव बनाया है कि अनुसूचित जाति से आने वाला एक व्यक्ति, जिसे ऐतिहासिक रूप से 'अस्पृश्य' कहा जाता था, आज देश की सर्वोच्च न्यायिक पद पर बैठकर ऑक्सफोर्ड यूनियन को संबोधित कर रहा है। सीजेआई ने भारतीय संविधान को स्याही में उकेरी गई एक शांत क्रांति करार दिया और कहा कि इसमें समाज के उन वर्गों की धड़कनें हैं, जिन्हें कभी सुना नहीं गया। उन्होंने कहा, संविधान केवल अधिकारों की रक्षा करने को नहीं कहता, बल्कि सक्रिय रूप से आगे बढ़ने, सशक्त करने और सुधारने के लिए भी बाध्य करता है।

पीएम मोदी का 11 साल का कार्यकाल बदली हुई सरकार नहीं, बदले युग का प्रतीक: सुधांशु त्रिवेदी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी आगरा पहुंचे। यहां पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की एनडीए सरकार की उपलब्धियों को बताया। साथ ही लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के सरेंडर वाले विवादित बयान पर पलटवार भी किया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 साल की उपलब्धियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा और एनडीए की सरकार के 11 साल पूरे हुए। यह कार्यकाल बदली देश में बदली हुई सरकार नहीं बल्कि बदले हुए युग का प्रतीक है। इस कार्यकाल में हमारे देश की समृद्धि, सुरक्षा, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक गौरव चारों आयामों में पीएम मोदी के नेतृत्व में अभूतपूर्व युगांतकारी परिवर्तन हुए हैं। उन्होंने कहा, विकास क्षेत्र की बात करें तो 34 किलोमीटर प्रतिदिन नेशनल हाइवे का निर्माण हो रहा है। रेलवे रूट का पूरी तरह से विद्युतीकरण हो गया है। एयरपोर्ट की संख्या दोगुनी से अधिक हुई है। 23 एम्स हो गए हैं। आठ नई आईआईटी और सात नए आईआईएम बने हैं। 490 से अधिक विश्वविद्यालय बने हैं। करीब 325 नए मेडिकल कॉलेज बने हैं। उन्होंने लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान पर भी पलटवार किया। त्रिवेदी ने कहा, अभी तक कांग्रेस नेताओं के बयान पाकिस्तान की मीडिया, पाकिस्तान की सोशल मीडिया, पाकिस्तानी संसद, पाकिस्तानी मिलिट्री ब्रीफिंग की सुर्खियां बन रहे थे, मगर जो बयान राहुल गांधी

ने दिया है, वो पाकिस्तान के आर्मी चीफ, रक्षा मंत्री ने नहीं बोला। यहां तक कि किसी आतंकी संगठन या आतंकवादियों ने भी ऐसा नहीं कहा। मसूद अजहर, हाफिज सईद ने भी नहीं कहा। उन्होंने आगे कहा, राहुल गांधी पाकिस्तान की मीडिया की सुर्खियां बटोरने के लिए हाफिज से भी बड़े मुहाफिज बनने की कोशिश कर रहे हैं और दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि वह नेता प्रतिपक्ष के पद को धारण करने की योग्यता और परिपक्वता पर प्रश्नचिन्ह खड़ा कर रहे हैं।

भारत ने 11 साल में पार किए कई मील के पत्थर : भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सभी वर्गों के विभिन्न क्षेत्रों में पिछले 11 वर्षों में हासिल किए गए विकासात्मक मील के पत्थरों की एक श्रृंखला का प्रदर्शन किया।भाजपा की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की उपलब्धियों के बारे में मीडिया के सामने एक घंटे तक प्रस्तुति दी। इस बात पर जोर देते हुए कि 2014 में मोदी सरकार के सत्ता संभालने से पहले ऐसी प्रगति कभी नहीं देखी गई थी। इस कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं के अलावा भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, निर्मला सीतारमण और नितिन गडकरी, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनिल बलूनी एवं राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी संजय मयूख सहित विभिन्न प्रवक्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री वैष्णव ने कहा कि पिछले 11

वर्षों में सरकार ने न केवल आर्थिक परिवर्तन की दिशा में काम किया है, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर को बढ़ाने के लिए लाखों लोगों के सशक्तिकरण के लिए भी काम किया है और देश की सुरक्षा में सुधार किया है। सड़क और रेलवे नेटवर्क का विस्तार किया है, साथ ही पूर्ण विद्युतीकरण किया है, जो सबसे दूरदराज के क्षेत्रों तक आसान पहुंच स्थापित किया है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के रोजगार संबंधी आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि ये रोजगार सृजन में वृद्धि और कर्मचारियों के लाभों के बारे में जागरूकता को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि साथ ही मोदी सरकार ने चिनाब ब्रिज, अटल टनल और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सहित कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का नेतृत्व किया है, जो भारत की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता का उदाहरण हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य फोकस विकलांगों, ट्रांसजेंडरों और दलित, आदिवासी एवं पिछड़े समूहों सहित हाशिए पर पड़े समुदायों का सशक्तिकरण रहा है। स्वच्छ जल, बिजली, स्वास्थ्य सेवा और डिजिटल सेवाओं जैसी आवश्यक सुविधाओं तक पहुंच का विस्तार लाखों घरों तक किया गया है। हरित ऊर्जा में भारत के नेतृत्व को भी इस कार्यक्रम में प्रदर्शित किया गया जिसमें मंत्रालय ने कहा कि भारत स्थिरता में नए वैश्विक मानक स्थापित करना जारी रखता है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय नेताओं की प्रशंसा प्राप्त होती है। श्री वैष्णव ने कहा कि जब भारत अपनी पहली स्वतंत्र मानव अंतरिक्ष उड़ान की तैयारी कर रहा है और चंद्रमा और उससे आगे की ओर देख रहा है, तो अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में सरकार का निवेश वैश्विक मंच पर देश की बढ़ती प्रमुखता को रेखांकित करता है। अंत्योदय के सिद्धांत से निर्देशित होकर, सरकार ने सभी कल्याणकारी योजनाओं में 100 प्रतिशत संतृप्ति के लिए प्रयास किया है। आवास से लेकर स्वास्थ्य सेवा और स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन तक, पहले से सेवा प्राप्त लाखों वंचित परिवारों के पास अब बुनियादी सेवाओं तक पहुंच है।

प्राइवेट स्कूलों के पक्ष में और अभिभावकों के खिलाफ है भाजपा सरकार का कदम : सौरभ भारद्वाज

एजेंसी

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली की भाजपा सरकार पर प्राइवेट स्कूलों के हित में काम करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार की ओर से प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ोतरी को लेकर बनाए गए अध्यादेश से स्पष्ट होता है कि सरकार पूरी तरह से स्कूल प्रबंधन के दबाव में काम कर रही है और यह अध्यादेश राजधानी के मिडिल क्लास अभिभावकों के खिलाफ है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने के बाद से ही प्राइवेट स्कूलों ने यूनिफॉर्म, किताबों और स्टेशनरी के नाम पर मनमाने तरीके से फीस बढ़ा दी। अब तक का नियम था कि फीस बढ़ाने से पहले शिक्षा विभाग से अनुमति लेनी होती थी, लेकिन मौजूदा सरकार ने इसे नजरअंदाज कर स्कूलों की मनमानी पर कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि उल्टा सरकार ने प्राइवेट स्कूलों के समर्थन में एक ऐसा अध्यादेश तैयार किया है जो

सीधे तौर पर अभिभावकों के हितों के खिलाफ है। इस अध्यादेश को न तो विधानसभा में प्रस्तुत किया गया और न ही इसकी जानकारी किसी सार्वजनिक माध्यम से साझा की गई। यह अध्यादेश चोरी-छिपे बनाया गया और अब भाजपा सरकार इसे उपराज्यपाल के जरिए राष्ट्रपति के पास भेजने की तैयारी में है ताकि इसे कानून का रूप दिया जा सके।

श्रीलंका सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएम लासांथा रोड्रिगो भारत दौरे पर

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रीलंका सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएम लासांथा रोड्रिगो चार दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। यात्रा के पहले दिन की शुरुआत नई दिल्ली में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई।? इसके बाद उन्होंने उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि?, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह से मुलाकात की।? उनकी इस यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय सैन्य सहयोग को बढ़ाने के साथ साझेदारी के नए रास्ते तलाशना है। श्रीलंका सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएम लासांथा रोड्रिगो ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके देश की सेवा में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्हें साउथ ब्लॉक लॉन में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस समारोह में भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इसके बाद कई उच्च स्तरीय बैठकें हुई। इसकी शुरुआत भारतीय सेना के में जानकारी दी गई। उन्हें भारतीय सेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी आपसी हितों के मामलों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद

उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि के साथ गहन बातचीत से हुई। दोनों सैन्य अधिकारियों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं के पहलुओं सहित व्यापक मुद्दों पर चर्चा की। लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएम लासांथा रोड्रिगो को ऑपरेशन सिंदूर और भारत के सुरक्षा परिप्रेक्ष्य के बारे लेफ्टिनेंट जनरल रोड्रिगो ने नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह से मुलाकात की। इन बैठकों में आपसी हितों के मामलों पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यापक रक्षा और सुरक्षा मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया।?

जितेंद्र सिंह ने नार्वे की मत्स्य पालन एवं महासागर नीति मामलों की मंत्री के साथ की बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने नीस (फ्रांस) में नॉर्वे की मत्स्य पालन और महासागर नीति मंत्री मैरिएन सिवर्टसन नेस के साथ स्वस्थ मछली उद्योग, समुद्री संसाधन प्रबंधन, और मसुद्री अर्थव्यवस्था के व्यापक ढांचे से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की ।डॉ सिंह नीस में 09 से 13 जून तक आयोजित तीसरे संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन (यूएनओसी 3) में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की ओर से आज यहां जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि बाद में दोनों मंत्रियों के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में यूएनओसी 3 के दौरान आयोजित द्विपक्षीय बैठक में टिकाऊ महासागर शासन और मत्स्य पालन पर सहयोग को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। दोनों मंत्रियों ने समुद्री शासन में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया, जिसमें मत्स्य पालन क्षेत्र में भारत और नॉर्वे के बीच दीर्घकालिक साझेदारी को दर्शाया गया। चर्चा में समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग, बेहतर डेटा साझाकरण तंत्र और अत्यधिक मछली पकड़ने और समुद्री प्रदूषण

जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए संयुक्त प्रयासों जैसी साझा प्राथमिकताओं को भी शामिल किया गया। दोनों पक्षों ने सतत विकास के लिए महासागर विज्ञान के संयुक्त राष्ट्र दशक (2021-2030) के लक्ष्यों को प्राप्त करने में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्व को स्वीकार किया, जिसमें ज्ञान के आदान-प्रदान, क्षमता निर्माण और प्रौद्योगिकी साझाकरण पर जोर दिया गया है।

बीएसएफ के खस्ताहाल कोच के वीडियो के बाद ट्रेन बदली गई, चार अधिकारी निलंबित : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि बीएसएफ के खस्ताहाल कोच के वीडियो के बाद ट्रेन बदल दी गई। इसके अलावा जवानों के लिए पुरानी ट्रेन उपलब्ध कराने के मामले में चार अधिकारी निलंबित कर दिए गए हैं।

रेल मंत्री वैष्णव ने आज नेशनल मीडिया सेंटर में पत्रकारों से कहा कि त्रिपुरा से कश्मीर ड्यूटी पर जा रहे बीएसएफ जवानों के लिए पुरानी ट्रेन की तैनाती से जुड़ी घटना को गंभीरता से लिया गया है। इस चूक के लिए अलीपुरद्वार डिवीजन के चार अधिकारियों को आज से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। ये अधिकारी अलीपुरद्वार मंडल से हैं, जिनमें अलीपुर कोचिंग डिपो के कोचिंग डिपो अधिकारी और अलीपुर मंडल के तीन सीनियर सेक्शन इंजीनियर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बीएसएफ जवानों के लिए अब अगरतला से एक विशेष ट्रेन चलाई जाएगी, जिसमें उनकी सुविधा और सम्मान का पूर्ण ध्यान रखा जाएगा। रेल मंत्री ने यह स्पष्ट किया कि सुरक्षा बलों की गरिमा और सुविधा सर्वोपरि है और इस प्रकार की लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रेल मंत्रालय

द्वारा इस पूरे प्रकरण की जांच के आदेश भी दे दिए गए हैं। सुनिश्चित किया जा रहा है कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उल्लेखनीय है कि छह जून को बीएसएफ के 1200 जवानों को त्रिपुरा से अमरनाथ यात्रा की ड्यूटी पर जाना था। नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे ने जो ट्रेन जवानों को मुहैया कराई उसमें खिड़कियां-दरवाजे टूटे थे। जवानों के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में ट्रेन की खिड़कियां टूटी हुई दिखाई दे रही थीं और ऊपर से कोई बर्थ नहीं थी। ट्रेन में कॉकरोच दिखाई दे रहे थे। शौचालय का बुरा हाल था। इसके बाद बीएसएफ ने इस मामले को भारतीय रेलवे के समक्ष उठाया, जिसने बेहतर स्थिति में एक नई ट्रेन भेजी। अब दूसरी ट्रेन अगरतला से चलेगी, जो विशेष ट्रेन के रूप में जवानों को उनके गंतव्य तक पहुंचाएगी। अमरनाथ यात्रा पहली बार 38 दिन की हो रही है। इस बार यह तीन जुलाई से नौ अगस्त तक चलेगी। इस साल यात्रा की अवधि पिछले साल के 52 दिनों के मुकाबले घटाकर 38 दिन कर दी गई है।

प्रधानमंत्री की नई आर्थिक सलाहकार समिति का ऐलान, डीयू-डीएसई के चार सदस्यों को मिली जगह

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (डीएसई) से जुड़े चार लोगों को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) में शामिल किया गया है। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह ने इस पर खुशी जाहिर करते हुए इसे गौरव का क्षण बताया है। कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह ने कहा कि डीयू और डीएसई के लिए यह गौरव का क्षण है। ये प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री देश की आर्थिक नीतियों के निर्माण में अहम योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स परिवार के चारों सदस्य भारतीय अर्थव्यवस्था का व्यापक और विविध ज्ञान रखते हैं। वहीं, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और दिल्ली स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस के निदेशक प्रोफेसर राम सिंह ने भी खुशी जाहिर की। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री की नई आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के नवनियुक्त चेयरमैन प्रोफेसर एस. महेंद्र देव डीएसई के पूर्व छात्र हैं। उनके साथ ही डीएसई की पूर्व निदेशक प्रोफेसर पम्मी दुआ को भी ईएसी-पीएम का सदस्य नियुक्त किया गया है। डीएसई की पूर्व विद्यार्थी डॉ. शमिका रवि को ईएसी-पीएम का पूर्णकालिक सदस्य और डीएसई के पूर्व विद्यार्थी प्रोफेसर चेतन घाटे को सदस्य नियुक्त किया गया है। उन्होंने डीयू कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह का धन्यवाद करते हुए कहा कि हमारी नई पहलों और गतिविधियों के लिए उनका निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन बना रहता है। यही कारण है कि डीयू-डीएसई परिवार के सदस्य राष्ट्र निर्माण में अपना भरपूर सहयोग दे रहे हैं। बता दें कि भाजपा नेता प्रोफेसर गौरव वल्लभ को प्रधानमंत्री मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद में सदस्य मनोनीत किया गया था। कैबिनेट सचिवालय की ओर से 4 जून को जारी आदेश में कहा गया कि प्रधानमंत्री ने आर्थिक सलाहकार परिषद के पुनर्गठन को मंजूरी दे दी है। परिषद का कार्यकाल दो वर्ष या अगले आदेश तक रहेगा। आर्थिक सलाहकार परिषद एक स्वतंत्र संस्था है, जो सरकार खासकर प्रधानमंत्री को आर्थिक मामलों पर सलाह देती है। यह सलाह परिषद अपनी ओर से या प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए किसी विषय पर हो सकती है।

UPI फेक या रियल अब हर ट्रांजैक्शन पर रखेगा SEBI नजर, नहीं होगी धोखाधड़ी

नई दिल्ली। शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए अब लेन-देन और ज्यादा सुरक्षित और पारदर्शी हो जाएगा. बाजार नियामक सेबी (SEBI) ने Valid UPI नाम से एक नया और यूनिक पेमेंट सिस्टम लॉन्च किया है, जो 1 अक्टूबर 2025 से पूरे देश में लागू होगा. इस सिस्टम के जरिए निवेशक अब केवल सेबी से रजिस्टर्ड ब्रोकर, म्यूचुअल फंड, रिसर्च एनालिस्ट या इन्वेस्टमेंट एडवाइजर को ही भुगतान कर सकेंगे.

क्या है Valid UPI सिस्टम?

इस नई व्यवस्था के तहत हर रजिस्टर्ड ब्रोकर या मार्केट इंटरमीडियरी को एक विशेष PI ID दी जाएगी, जिसमें ञ्च1ड्डह्यद्बस्त्र हैंडल होगा. इस ढ्ढष्ठ पर एक ग्रीन थम्ब्स-अप का चिन्ह भी दिखेगा, जो यह पुष्टि करेगा कि संबंधित संस्था सेबी द्वारा अधिकृत है. इससे निवेशकों को यह पहचानने में आसानी होगी कि उनका पैसा सही और प्रमाणिक संस्था को जा रहा है या नहीं.

धोखाधड़ी से बचाएगा Valid

सेबी चेयरमैन तुहिन कांता पांडे ने कहा कि, हम UPI इकोसिस्टम में ऐसा मैकेनिज्म ला रहे हैं जिससे यह पता लगाया जा सके कि कोई UPI एड्रेस असली है या नहीं. सेबी का मानना है कि इससे फर्जी संस्थाओं के जाल में फंसने की आशंका घटेगी और निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा. यह सिस्टम NPCI, बैंकों और अन्य बाजार नियामकों के साथ मिलकर तैयार किया गया है.

SEBI Check से करें वेरिफिकेशन

इसके साथ ही सेबी ने SEBI Check नामक एक अतिरिक्त सुविधा भी शुरू की है, जिसके जरिए निवेशक किसी भी ब्रोकर या संस्थान की UPI ढ्ढष्ठ की वैधता क्तक्र कोड स्कैन करके या ID डालकर जांच सकते हैं.

क्क्च् के ज़रिए मार्केट लेनदेन की सीमा ?5 लाख प्रतिदिन तय की गई है.निवेशक केवल सेबी मान्यता प्राप्त संस्थाओं को ही भुगतान कर पाएंगे.

पूरी प्रक्रिया तेज़, पारदर्शी और सुरक्षित होगी.

सेबी का यह नया Valid सिस्टम निवेशकों को फर्जीवाड़ों से बचाने और शेयर बाजार में सुरक्षित लेन-देन को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा और क्रांतिकारी कदम है. इसके लागू होने से निवेशकों के मन में विश्वास और पारदर्शिता की भावना और मजबूत होगी.

6 साल के निचले स्तर पर आ सकती है खुदरा महंगाई

नई दिल्ली। भारत की खुदरा महंगाई दर मई महीने में घटकर 3.0त्न तक पहुंच सकती है, जो अप्रैल के 3.2त्न से कम है। अगर यह अनुमान सही साबित हुआ तो खुदरा महंगाई पिछले छह वर्षों के सबसे निचले पर पहुंच जाएगी। मिंट के सर्वे में यह अनुमान जताया गया है। खुदरा मुद्रास्फीति के आधिकारिक आंकड़े गुरुवार को जारी होंगे। भारत में खुदरा महंगाई दर अप्रैल 2025 में घटकर 3.16त्न रह गई, जो जुलाई 2019 के बाद का सबसे निचला स्तर है। मार्च में यह 3.34त्न थी। यह आंकड़ा आरबीआई के 4त्न (±w%) लक्ष्य से भी कम है और लगातार तीसरे महीने ऐसा हुआ है।

खाने-पीने की चीजें सस्ती हुईं- सब्जियों, फलों, दालों और प्रोटीन वाले सामान की कीमतें घटीं। खाद्य महंगाई दर अप्रैल में 1.78त्न रही, जो पिछले साल इसी महीने 8.7त्न थी। गर्मी के बावजूद रबी की फसल अच्छी हुई। इस साल मानसून भी बेहतर रहने का अनुमान है।मिंट के सर्वे में शामिल 15 अर्थशास्त्रियों के मुताबिक, चूंकि खाद्य पदार्थ महंगाई की गणना में 40त्न हिस्सा रखते हैं, इसलिए इनकी कीमतों में बदलाव का असर सीधे महंगाई दर पर पड़ता है। वहीं, सर्वे में यह भी कहा गया है कि समग्र महंगाई दर के लगातार चौथे महीने 4त्न से नीचे रहने के बावजूद कोर मुद्रास्फीति (जो खाद्य, ईंधन और बिजली को छोड़कर गणना की जाती है) अप्रैल के 4.13त्न से थोड़ी बढ़ सकती है। फिर भी, अर्थशास्त्री इसे महंगाई के लिए बड़ा खतरा नहीं मानते।

आगे ब्याज दरों में कटौती की गुंजाइश कम

महंगाई में तेज गिरावट को देखते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले सप्ताह रेपो रेट में .50 प्रतिशत की कटौती की थी, जबकि विशेषज्ञों को केवल .25 फीसदी की कटौती की उम्मीद थी। आरबीआई ने यह भी संकेत दिया है कि साल के अंत तक महंगाई चार फीसदी से नीचे रहेगी लेकिन ब्याज दरों में और कटौती की गुंजाइश कम है। मौद्रिक नीति समिति ने कहा है कि फरवरी 2025 से लगातार रेपो दर में एक फीसदी की कटौती के बाद और राहत की गुंजाइश सीमित है।

भविष्य का अनुमान

आरबीआई को उम्मीद है कि 2025-26 में महंगाई दर औसतन 4त्न रहेगी, जो तिमाही के हिसाब से कुछ इस तरह रह सकती है...

प्रैल-जून (पहली तिमाही): 3.6%

जुलाई-सितंबर (दूसरी तिमाही): 3.9%

अक्टूबर-दिसंबर (तीसरी तिमाही): 3.8%

जनवरी-मार्च (चौथी तिमाही): 4.4%

आरबीआई सतर्क

आरबीआई का कहना है कि भविष्य में सामान्य से बेहतर मानसून और इसके जल्दी आने की संभावना खरीफ फसल की संभावनाओं के लिए अच्छे संकेत है। रबी फसल के मौसम में रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन और प्रमुख दालों के उच्च उत्पादन से प्रमुख खाद्य वस्तुओं की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित होनी चाहिए। अनुकूल पूर्वानुमान के बावजूद, वह मौसम संबंधी अनिश्चितताओं और वैश्विक स्तर पर जिंस की कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव के साथ शुल्क संबंधी चिंताओं को लेकर सतर्क रहेगा।

अब हर किसी को मिल सकेगा तत्काल टिकट, एजेंटों की बढ़ेगी मुश्किल, आम जनता के लिए पहला 30 मिनट

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने यात्रियों को राहत देते हुए तत्काल टिकट बुकिंग सिस्टम में बड़ा बदलाव किया है. अब तत्काल टिकट बुकिंग शुरू होते ही पहले 30 मिनट केवल आम यात्रियों के लिए आरक्षित रहेंगे. इस दौरान किसी भी अधिकृत एजेंट या थर्ड पार्टी प्लेटफॉर्म को टिकट बुक करने की अनुमति नहीं होगी. यह फैसला रेलवे ने टिकट बुकिंग में पारदर्शिता बढ़ाने और एजेंटों की मनमानी रोकने के उद्देश्य से लिया है.

अब तक देखा गया है कि तत्काल टिकट बुकिंग खुलते ही कुछ ही मिनटों में सारे टिकट बुक हो जाते थे, जिनमें बड़ी संख्या में टिकट एजेंटों के द्वारा ब्लॉक कर लिए जाते थे. इससे आम यात्री वंचित रह जाते थे और उन्हें अधिक पैसे देकर एजेंटों से टिकट खरीदने पड़ते थे. रेलवे के इस नए नियम से अब आम लोगों को प्राथमिकता मिलेगी और उन्हें टिकट बुक करने का उचित मौका मिलेगा.

कैसे काम करेगी रेलवे की नई व्यवस्था

रेलवे ने बताया कि इस नई व्यवस्था के तहत सुबह 10 बजे एसी कोटा और 11 बजे स्लीपर कोटा की तत्काल बुकिंग जब शुरू होती है, तो शुरुआती 30 मिनट केवल आम यात्रियों के लिए होंगे. इसके बाद ही एजेंट या बुकिंग सर्विस प्रोवाइडर टिकट बुक कर सकेंगे.

AI चैटबॉट रखेगा टिकट बुकिंग पर नजर

इसके अलावा रेलवे ने डिजिटल सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूत किया है. अब टिकट बुकिंग प्रक्रिया पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित निगरानी रखी जाएगी, जो किसी भी संदिग्ध गतिविधि या बॉट के जरिए बुकिंग को तुरंत पहचान लेगा और उस पर कार्रवाई करेगा.यह कदम रेलवे की डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और ग्राहक केंद्रित नीतियों का हिस्सा है. इससे न केवल बुकिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी, बल्कि एजेंटों के माध्यम से टिकट ब्लैकिंग और अवैध वसूली पर भी अंकुश लगेगा. रेलवे के इस निर्णय का स्वागत यात्रियों द्वारा किया जा रहा है. यह आम जनता को टिकट बुकिंग में बराबरी का मौका देने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास माना जा रहा है. उम्मीद की जा रही है कि इससे यात्रियों की असुविधा कम होगी और एजेंटों की पकड़ ढीली पड़ेगी.

सस्ता हो गया होम और कार लोन, इन तीन बैंकों ने दिया बड़ा तोहफा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के पिछले सप्?ताह रेपो रेट में 0.5 फीसदी घटाकर 5.5 फीसदी कर दिया था. साथ ही नकद आरक्षित अनुपात (CRR) में भी 1 प्रतिशत की कटौती आरबीआई ने कर दी थी. रेपो रेट में कटौती के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने भी अब लोन पर ब्याज दरों में कमी करना शुरू कर दिया है. तीन सरकारी बैंकों, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक (IOB) ने लोन की ब्याज दरों में 0.50 प्रतिशत तक की कटौती की घोषणा कर दी है. विशेषज्ञों के अनुसार, बैंकों के इस कदम से होम, ऑटो, व्यक्तिगत और एमएसएमई लोन लेने वालों को राहत मिलेगी, जिससे आम लोगों की जेब पर बोझ कुछ कम हो सकेगा.

इससे पहले बैंक ऑफ बड़ौदा (BoB) ने भी अपनी क्रस्रक्र में 0.50 प्रतिशत की कटौती की थी. वहीं, प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक ने अपनी कोष की सीमांत लागत आधारित उधार दर (MCLR) में विभिन्न अवधियों के लिए 0.10 प्रतिशत तक की कटौती की है. इससे उन ग्राहकों को फायदा मिलेगा जिनके ऋण MCLR से जुड़े हैं.यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने अपने बाह्य मानक आधारित ब्याज दर (EBLR) और रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (RLLR) में 0.50 प्रतिशत की कटौती की है. बैंक ने बताया कि यह फैसला आरबीआई की रेपो दर में कटौती के अनुपालन में लिया गया है. इससे बैंक से जुड़े उपभोक्ताओं को अब सस्ती दरों पर कर्ज मिल सकेगा.

क्या है ये लिक्विड गोल्ड यूएई, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों से क्यों बढ़ गया है इसका इपोर्ट

नई दिल्ली। भारत में वर्षों से सोने की तस्करी की घटनाएं सामने आती रही हैं, जिसमें सोने को शरीर या सामान में छिपाकर सीमा शुल्क से बचा कर लाया जाता था. लेकिन अब चतुर आयातकों ने बिना कस्टम ड्यूटी चुकाए सोना भारत लाने का तरीका खोज लिया है. ये लोग 'लिक्विड गोल्ड ' यानी सोने के रासायनिक यौगिकों के रूप में बिना कोई कस्टम ड्यूटी दिए ही बड़ी मात्रा में सोना देश में ला रहे हैं. 'लिक्विड गोल्?ड ' में सोने को अन्य रासायनिक तत्वों के साथ मिलाकर यौगिक बनाया जाता है, जिनका इस्तेमाल मुख्यत उद्योगों में होता है. इसे भारत की उन साझेदार देशों जैसे संयुक्त अरब अमीरात, जापान और ऑस्ट्रेलिया से मंगाया जाता है, जिनसे भारत की मुक्त व्यापार संधि है. इन संधियों के तहत ऐसे यौगिकों पर कोई आयात शुल्क नहीं लगता, जबकि सामान्य सोने पर 6त्न तक का शुल्क चुकाना पड़ता है.

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से मार्च 2025 की तिमाही में तरल सोने के आयात में जबरदस्त उछाल आया है. वाणिज्यिक खुफिया और सांख्यिकी महानिदेशालय (DGCIS) के अनुसार, इस दौरान देश में 69,879 किलोग्राम लिक्विड गोल्ड आयात हुआ, जो पिछले साल की तुलना में 9.25 गुना और पिछली तिमाही की तुलना में 2.84 गुना अधिक है. इसका कुल मूल्य लगभग 1.29 अरब डॉलर आंका गया है. FY21 में लिक्विड गोल्ड का आयात केवल 2,143 किलोग्राम था, जो FY25 में बढ़कर 1,27,886 किलोग्राम तक पहुंच गया है. बजट 2025 में किए गए नीतिगत बदलावों के बाद इसमें और तेजी देखी गई है.टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, लिक्विड गोल्ड के मुकाबले पारंपरिक रूप से आयात किए गए सोने की मात्रा में 51.2त्न की गिरावट दर्ज की गई है और यह 9.5 अरब डॉलर पर सिमट गया है. इससे स्पष्ट है कि तरल सोने के जरिए आयातकों ने कस्टम ड्यूटी से बचने का आसान रास्ता अपनाया है, जिससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान हो रहा है.

अनिल अंबानी की बहुत बड़ी जीत, MMRDA देगा 1,169 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। अनिल अंबानी को लेकर एक बड़ी राहतभरी खबर आ रही है. मुकेश अंबानी के भाई अनिल अंबानी को एक बड़ी कानूनी जीत मिली है. बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई मेट्रो वन प्राइवेट लिमिटेड (MMOPL) के पक्ष में फैसला सुनाया है, जो रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की एक सब्सिडियरी कंपनी है. कोर्ट ने मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (MMRDA) को आदेश दिया है कि वह MMOPL को ?1,169 करोड़ का भुगतान करे.

क्या है मामला?

यह विवाद मुंबई मेट्रो लाइन 1 (वर्सोवा-अंधेरी-घाटकोपर) को लेकर था, जिसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल पर बनाया गया था. इस प्रोजेक्ट को MMOPL द्वारा विकसित और संचालित किया गया था, जिसमें रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की बड़ी हिस्सेदारी है. स्रूक्रष्ठ और रिलायंस ग्रुप के बीच परियोजना की लागत और भुगतान को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था.MMOPL ने दावा किया था कि

उसने परियोजना में काफी अधिक निवेश किया, लेकिन अपेक्षित भुगतान नहीं किया गया. इसके जवाब में कंपनी ने अदालत का रुख किया.

कोर्ट का आदेश

बॉम्बे हाईकोर्ट ने MMOPL के दावों को सही ठहराते हुए MMRDA को ?1,169 करोड़ का भुगतान करने का आदेश दिया है. कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यह भुगतान कानूनी और संविदात्मक शर्तों के अनुसार जायज है.

अनिल अंबानी के लिए बड़ी जीत

यह आदेश अनिल अंबानी की रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है, जो पिछले कुछ वर्षों से आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही है. इस फैसले से कंपनी की वित्तीय स्थिति को मजबूती मिलने की उम्मीद है. एमएमओपीएल रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर और एमएमआरडीए के बीच एक जॉइंट वेंचर है. यह वर्सोवा-अंधेरी-घाटकोपर कॉरिडोर पर मुंबई की पहली मेट्रो लाइन का संचालन करता है.

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के पास 74 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि बाकी स्वामित्व एमएमआरडीए के पास है.अनिल अंबानी का कमबैक

अनिल अंबानी की कारोबारी गिरावट काफी फ़िल्मी रही है.

अब AT से निकाल सकेंगे PF का पैसा, जून में शुरू होगी सुविधा, जानिए पूरा प्रोसेस

नई दिल्ली। नौकरीपेशा लोगों की जिंदगी में सैलरी का रोल बड़ा होता है. इसी से घर का खर्च चलता है, बच्चों की फीस भरी जाती है, और भविष्य के लिए कुछ बचत भी होती है. बात जब भविष्य की बचत की आती है, तो सरकार ने इसके लिए एक सॉलिड सिस्टम बनाया है – कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, यानी EPFO. ये वो संस्था है जो नौकरी करने वालों के लिए PF अकाउंट खोलती है, जिसमें हर महीने उनकी सैलरी का एक हिस्सा जमा होता है. अब यही EPFO अपने करोड़ों मेंबर्स के लिए एक बड़ी खुशखबरी लेकर आ रहा है. जल्द ही आप अपने PF के पैसे को ATM से निकाल पाएंगे, वो भी बिना किसी झंझट के.EPFO इस महीने, यानी जून 2025 में, अपना नया डिजिटल प्लेटफॉर्म EPFO 3.0 लॉन्च करने जा रहा है. इस नए सिस्टम के तहत PF खाताधारकों को

कई धांसू सुविधाएं मिलेंगी, जिनमें सबसे बड़ी है ATM से पैसे निकालने की सुविधा.

EPFO 3.0: क्या है ये नया सिस्टम?

EPFO 3.0 कर्मचारी भविष्य निधि संगठन का एक अपग्रेडेड वर्जन है, जो पूरी तरह डिजिटल और यूजर-फ्रेंडली होने वाला है. अभी तक PF का पैसा निकालने के लिए आपको ढेर सारी कागजी कार्रवाई करनी पड़ती थी. फॉर्म भरना, दस्तावेज जमा करना, और फिर हफ्तों तक इंतजार करना कि पैसा अकाउंट में आएगा या नहीं. लेकिन EPFO 3.0 के साथ ये सारी टेंशन खत्म होने वाली है.इस नए प्लेटफॉर्म का मकसद है कि PF से जुड़ी हर प्रक्रिया को इतना आसान कर दिया जाए कि आप घर बैठे, या फिर॒ञ्जरू पर जाकर, अपने पैसे निकाल सकें. ये सिस्टम एक हाई-टेक ढ्ढञ्ज प्लेटफॉर्म पर बेस्ड है, जो न सिर्फ तेज है, बल्कि ट्रांसपेरेंट भी है. यानी, आपको हर स्टेप की जानकारी मिलेगी, और कोई भी गड़बड़ी होने की गुंजाइश कम होगी.

केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि EPFO 3.0 मई या जून 2025 में लॉन्च होगा और अब, जून आ चुका है, तो खबरें हैं कि ये सुविधा किसी भी दिन शुरू हो सकती है. इसका सबसे बड़ा फायदा उन 9 करोड़ से ज्यादा EPF मेंबर्स को मिलेगा, जो अपने रिटायरमेंट फंड को आसानी से एक्सेस करना चाहते हैं.

ATM से PF निकालने का प्रोसेस

अब सवाल ये है कि आखिर आप अपने PF का पैस से कैसे निकाल पाएंगे? क्या इसके लिए कोई स्पेशल कार्ड मिलेगा? या फिर कोई और प्रोसेस फॉलो करना होगा? चलिए, इसे आसान भाषा में समझते हैं।

1- UAN को करना होगा बैंक से लिंक: ATM से पीएफ निकालने के लिए आपका यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (UAN) एक्टिवेटेड होना जरूरी है. इसके. साथ ही आपके बैंक अकाउंट और आधार का लिंक होना बेहद जरूरी है. इसके लिए आखिरी तारीख 30 जून तय की गई है2- ATM पर जाएं- सब कुछ लिंक होने के बाद आपको किसी भी॒ञ्जरू पर जाना होगा। वहां इस कार्ड को डालकर आप अपने PF अकाउंट से पैसे निकाल सकते हैं.

3- निकासी की लिमिट- शुरुआत में आप अपने PF अकाउंट में जमा कुल राशि का 50त्न तक निकाल सकेंगे। यानी, अगर आपके अकाउंट में 10 लाख रुपये हैं, तो आप 5 लाख तक निकाल सकते हैं.

ईरान या इजराइल किससे भारत लेता और देता है सबसे ज्यादा सामान हर साल होता है अरबों का कारोबार

नई दिल्ली। ईरान दुनिया का चौथा सबसे बड़ा तेल उत्पादक और मिडिल ईस्ट में नंबर एक उत्पादक है. Iran में बीते साल 2023 में 2023 में 2.4 मिलियन बैरल क्रूड ऑयल का हर दिन प्रोडक्शन हुआ था. तेल भंडार का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि अपने उत्पादन का लगभग आधा कच्चा तेल ईरान दूसरे देशों को बेचता है और सबसे बड़ा खरीदार चीन (China) है. ईरान में तेल की 10 बड़ी रिफाइनरी हैं, जिनमें से सिर्फ तीन से प्रति दिन 3,70,000 बैरल तेल का उत्पादन होता है.न केवल कच्चा तेल, बल्कि भारत ईरान से कई अन्य सामान भी आयात करता है और जंग के हालात में इन जरूरी सामानों के बिजनेस को लेकर भी चिंता बढ़ गई है. बता दें कि ईरान से कच्चे तेल के अलावा सूखे मेवे, केमिकल और कांच के बर्तन भारत आते हैं. वहीं भारत की ओर से ईरान पहुंचने वाले प्रमुख सामानों की बात करें, तो बासमती चावल का ईरान बड़ा आयातक है.न केवल कच्चा तेल, बल्कि भारत ईरान से कई अन्य सामान भी आयात करता है और जंग के हालात में इन जरूरी सामानों के बिजनेस को लेकर भी चिंता बढ़ गई है. बता दें कि ईरान से कच्चे तेल के अलावा सूखे मेवे, केमिकल और कांच के बर्तन भारत आते हैं. वहीं भारत की ओर से ईरान पहुंचने वाले प्रमुख सामानों की बात करें, तो बासमती चावल का ईरान बड़ा आयातक है.ईरान वित्त वर्ष 2014-15 से भारतीय बासमती चावल का दूसरा सबसे बड़ा आयातक देश रहा है और वित्त वर्ष 2022-23 में 998,879 मीट्रिक टन भारतीय चावल खरीदा था. बासमती चावल के अलावा भारत ईरान को चाय, कॉफी और चीनी का भी निर्यात करता है.आंकड़े देखें तो

भारत हर साल ईरान को 4 करोड़ किलो चाय का निर्यात करता है. इसके अलावा कुल चावल निर्यात का 19त्न के आस-पास ईरान को निर्यात होता है, जो करीब 60 करोड़ डॉलर का होता है. हालिया तनाव से देश के चावल और चाय निर्यातकों की मुश्किलें बढ़ने की आशंका बढ़ गई है.आंकड़े देखें तो भारत हर साल ईरान को 4 करोड़ किलो चाय का निर्यात करता है. इसके अलावा कुल चावल निर्यात का 19त्न के आस-पास ईरान को निर्यात होता है, जो करीब 60 करोड़ डॉलर का होता है.

हालिया तनाव से देश के चावल और चाय निर्यातकों की मुश्किलें बढ़ने की आशंका बढ़ गई है.भारत का व्यापारिक भागीदार सिर्फ ईरान ही नहीं बल्कि इजरायल भी है. साल 2023 में भारत का इजरायल के साथ 89000 करोड़ रुपये का कारोबार रहा. भारत इजराइल को तराशे हुए हीरे, ज्वेलरी, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और इंजीनियरिंग सामान सप्लाई करता है. वहीं इजरायल भारत को बड़ी मात्रा में सैन्य हथियार निर्यात करता है.भारत का व्यापारिक भागीदार सिर्फ ईरान ही नहीं बल्कि इजरायल भी है. साल 2023 में भारत का इजरायल के साथ 89000 करोड़ रुपये का कारोबार रहा. भारत इजराइल को तराशे हुए हीरे, ज्वेलरी, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और इंजीनियरिंग सामान सप्लाई करता है. वहीं इजरायल भारत को बड़ी मात्रा में सैन्य हथियार निर्यात करता है.

टाटा के इस शेयर पर एनालिस्ट चिंतित, दे दी चेतावनी, शेयर बेचने की होड़

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा मोटर्स लिमिटेड के शेयर में आज गुरुवार को गिरावट देखी गई। कंपनी के शेयर आज 1.5त्न तक की गिरावट के साथ 726.50 रुपये के इंट्रा डे लो पर आ गए। शेयरों में इस गिरावट के पीछे कुछ निगेटिव खबर है। दरअसल, ब्रोकरेज फर्म एचएसबीसी ने पैसेंजर और कमर्शियल वाहन निर्माताओं पर अपने लेटेस्ट नोट में चेतावनी दी है कि टाटा मोटर्स लिमिटेड को चार निगेटिव जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है, जिसमें स्थानीय मुद्रा में मजबूती से लेकर अधिक छूट तक शामिल है।क्या है डिटेलएचएसबीसी ने टाटा मोटर्स पर ?770 के टारगेट प्राइस के साथ 'होल्ड' करने की सिफारिश की है, जो सोमवार के समापन स्तर से 5त्न की संभावित बढ़त दिखाता है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले ब्रिटिश पाउंड में तेजी। स्टर्लिंग में हर 1त्न की तेजी के लिए,

जगुआर लैंड रोवर (JLR) के मार्जिन में 20 आधार अंकों की गिरावट आ सकती है। नए मॉडलों में अप्रत्याशित डिजाइन दोष ब्रांड की धारणा और बिक्री को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अमेरिका, मेनलैंड चीन और यूरोप जैसे प्रमुख बाजारों में उम्मीद से अधिक प्रोत्साहन भी छ्वरुक्र के मार्जिन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। टाटा मोटर्स की यूके इकाई, जगुआर लैंड रोवर, चालू वर्ष के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा करने के लिए 16 जून को अपना निवेशक दिवस आयोजित करेगी। अंत में, रेंज रोवर के भीतर आगामी बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों (BEV) की कम स्वीकृति, विशेष रूप से जगुआर ब्रांडों में, वॉल्यूम को नुकसान पहुंचा सकती है।

एनालिस्ट की राय

टाटा मोटर्स पर कवरेज करने वाले 35 विश्लेषकों में से 18 ने खरीदें रेटिंग दी है, 11 ने ÷होल्ड÷ कहा है, जबकि छह ने बेचें की सिफारिश की है। टाटा मोटर्स के शेयर वर्तमान में 1त्न कम होकर ?728.65 पर कारोबार कर रहे हैं। स्टॉक एक महीने और साल-दर-साल की अवधि में स्थिर बना हुआ है।

कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी तो क्यों उछलने लगे इन ऑयल कंपनियों के शेयर

नई दिल्ली। आज गिरावट भरे शेयर मार्केट में ONGC और Oil India के शेयरों में 4त्न तक की तेजी आई। ऐसा कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों की वजह से हुआ। जब कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं, तो ओएनजीसी और ऑयल इंडिया जैसी कंपनियों को तेल बेचकर होने वाली कमाई बेहतर होने की उम्मीद बढ़ जाती है। ONGC का शेयर आज ?251.05 पर खुला और सुबह में ही ?255.15 के उच्चस्तर तक पहुंच गया।

क्यों बढ़े कच्चे तेल के दाम?

हाल ही में मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और सुरक्षा खतरों के कारण कच्चे तेल के दाम उछले हैं। अप्रैल में ब्रेंट क्रूड तेल की कीमत लगभग 61 डॉलर प्रति बैरल थी, जो अब बढ़कर 69 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं।जियोजीत के एक्सपर्ट डॉ. वी.के. विजयकुमार ने कहा,÷तेल की कीमतों में यह उछाल मध्य पूर्व में खतरों की वजह से आया है। ONGC और Oil India के शेयरों पर इसका सकारात्मक असर दिख सकता है।÷

कंपनियों के लिए क्यों अच्छी खबर है?पिछले कुछ समय से कच्चे तेल के दाम गिर रहे थे, जिससे ONGC और ह्वद्य ढ्ढठ्ठस्रद्बड्ड की कमाई पर चिंता बनी हुई थी। मार्च 2025 तक के तिमाही नतीजों में विंडफॉल टैक्स लगने से पहले ONGC की प्रति बैरल कमाई में 9त्न की गिरावट आई थी। ऐसे में तेल की बढ़ती कीमतों ने निवेशकों के मनोबल को बढ़ाया है।

पिछले महीने क्या हाल रहा?

पिछले तीन महीनों (मई 23 तक) में ह्रहृत्रष्ट का शेयर प्राइस सपाट चल रहा था और यह निफ्टी से पिछड़ रहा था (जो 8त्न चढ़ा था)। एलारा सिक्योरिटीज़ के मुताबिक, तेल की गिरती कीमतों ने अगले तीन साल में तेल-गैस उत्पादन बढ़ने की संभावना को कमजोर कर दिया था।

विशेषज्ञ मानते हैं कि ONGC और Oil India की कमाई तभी मजबूत होगी, जब कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर टिकी रहेंगी।

(डिस्क्लेमर- एक्सपर्ट्स की सिफारिशें, सुझाव, विचार और राय उनके अपने हैं, लाइव हिन्दुस्तान के नहीं। यहां सिर्फ शेयर के परफॉर्मेंस की जानकारी दी गई है, यह निवेश की सलाह नहीं है। शेयर बाजार में निवेश जोखिमों के अधीन है और निवेश से पहले अपने एडवाइजर से परामर्श कर लें।)

'दृश्यम' फेम एक्ट्रेस के घर आई नन्हीं परी, दोबारा माता-पिता बन गए

इशिता दत्ता

वत्सल सेठ

दृश्यम एक्ट्रेस इशिता दत्ता फिर से मां बन गई हैं. दरअसल कुछ महीने पहले इशिता और वत्सल सेठ ने सोशल मीडिया पर ये ऐलान किया था कि जल्द ही वो दोबारा माता-पिता बनने वाले हैं. अब फिर एक बार उन्होंने सोशल मीडिया पर ये खुशखबरी सुनाई है कि उनके घर एक प्यारी सी बेटी ने जन्म लिया है. इस खबर के सामने आते ही सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लग गया है. कपल के एक्टर्स दोस्तों के साथ उनके फैंस भी उन्हें सोशल मीडिया पर खूब शुभकामनाएं दे रहे हैं.इशिता दत्ता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अस्पताल से एक दिल छू लेने वाली तस्वीर साझा की है, इस फोटो में वो और वत्सल अपनी बेटी और बड़े बेटे वायु के साथ नजर आ रहे हैं. हालांकि, उन्होंने अभी तक अपनी बेटी का चेहरा रिवील नहीं किया है, तस्वीर में उनका परिवार पूरा और खुश दिख रहा है. इस तस्वीर के साथ इशिता ने एक प्यारा सा कैप्शन भी लिखा है,दो से चार दिलों की धड़कन एक साथ. हमारा परिवार अब पूरा हो गया है. हमें भगवान ने एक प्यारी सी बेटी आशीर्वाद में दी है.

वेलेंटाइन डे पर दिया था प्रेग्नेंसी का हिंट

इशिता ने पिछले वेलेंटाइन डे पर एक पोस्ट के जरिए अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी का हिंट दिया था. तब उन्होंने लिखा था, तुम्हें जानने के 9 साल बाद, तुम्हें प्यार करने के 8 साल बाद, हमारा प्यार एक नई जिंदगी को इस दुनिया में लेकर आया और जल्द ही, हमारा ये प्यार और बढ़ेगा.इशिता और वत्सल ने 2 साल पहले यानी जुलाई 2023 में अपने पहले बच्चे, बेटे वायु का स्वागत किया था. अब, वायु को एक छोटी बहन मिल गई है, जिससे उनका परिवार अब 'कंप्लीट' हो गया है.

टाइम्स ऑफ इंडिया के साथ पहले हुई बातचीत में, इशिता ने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी के बारे में बात करते हुए कहा था कि वे इस बार ज्यादा तैयार हैं और उन्हें खुशी होगी अगर उनके बेटे वायु को एक छोटी बहन मिले. उन्होंने ये भी बताया था कि उनके माता-पिता उनके साथ रहने आ गए हैं, जिससे उन्हें काफी सपोर्ट मिल रहा है.

सीरियल के सेट पर हुआ था प्यार

इशिता दत्ता को 'दृश्यम' और 'दृश्यम 2' में अजय देवगन की बेटी के किरदार के लिए जाना जाता है उन्होंने कई टीवी शोज और फिल्मों में काम किया है. वहीं, इशिता के पति एक्टर वत्सल शेठ की बात करें तो वत्सल ने 'टार्जन-द वंडर कार' जैसी फिल्मों और 'जस्ट मोहब्बत' जैसे टीवी शोज से अपनी पहचान बनाई है. ये कपल 'रिश्तों का सौदागर ङ्क बाजीगर' (2016) के सेट पर पहली बार एक दूसरे से मिला था और 2017 में एक निजी समारोह में दोनों शादी के बंधन में बंध गए थे.

कोयले की खदान में सो जाते थे शाहरुख खान, सलमान को लेकर भी एक्ट्रेस ने किया बड़ा खुलासा

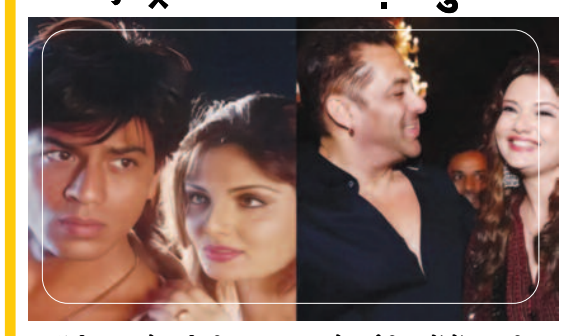

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपशिखा नागपाल ने कई फिल्मों में काम किया है, लेकिन उन्हें बड़ी एक्ट्रेस का दर्जा नहीं मिल पाया. वो अपने समय की अदाकाराओं की तरह ज्यादा लोकप्रियता हासिल नहीं कर पाई. फिलहाल वो अपने एक इंटरव्यू को लेकर सुर्खियों में हैं. इसमें उन्होंने पुराने दिनों को याद किया और बॉलीवुड के दो बड़े स्टार शाहरुख खान और सलमान खान पर भी बड़ा खुलासा कर दिया.दीपशिखा ने फिल्मों के अलावा टीवी सीरियल्स में भी काम किया है. एक्ट्रेस ने हाल ही में बॉलीवुड बबल को दिए इंटरव्यू में सलमान खान और शाहरुख खान के साथ काम करने का एक्सपीरियंस भी शेयर किया और दोनों अभिनेताओं की तारीफ भी की. उन्होंने बताया कि कोयला फिल्म की शूटिंग के दौरान शाहरुख कोयला खदान में ही सो जाते थे. सलमान को एक्ट्रेस ने विनम्र इंसान बताया.

कोयला खदान में क्यों सोते थे शाहरुख ?

दीपशिखा साल 1997 में रिलीज हुई फिल्म 'कोयला' में शाहरुख खान के साथ काम कर चुकी हैं. हालांकि वो इसमें साइड रोल में थीं. इसमें शाहरुख के अपोजिट माधुरी दीक्षित ने लीड रोल प्ले किया था. दीपशिखा से इंटरव्यू में सवाल किया गया था कि 90 के दशक के और अब के सितारों में क्या अंतर है ? तो उन्होंने कहा, एक्टिंग पहले पेशा नहीं था. पहले ये एक रिस्पेक्टेड काम नहीं था. अब हर कोई एक्टर बनना चाहता है और वो अपनी वैनिटी, अपने स्टाफ की डिमांड करते हैं.

एक्ट्रेस ने आगे बताया, मैंने शाहरुख खान को कोयला में काम करते हुए देखा है. तब कोई वैनिटी वैन नहीं होती थी. वो कोयला खदान में ही लाइट्स और मशीनरी के बीच तकिया लगाकर सो जाते थे. हम छतरी के नीचे बैठे हुए रहते थे. हमारे लिए कोई वैनिटी नहीं होती थी.

सलमान पर क्या बोलीं दीपशिखा ?

कोयला के अलावा दीपशिखा ने 'बादशाह' और 'पार्टनर' सहित कई फिल्मों में काम किया. जबकि वो 'रामायण', 'शक्तिमान' और 'किटी पार्टी' जैसे शोज का भी हिस्सा रहीं. आगे उन्होंने सलमान खान को लेकर कहा, मैंने देखा है जब मैं सलमान खान के साथ काम करती थी तो कोई वैनिटी नहीं होती थी. सलमान सेट से अपने मेकअप रूम तक चलके जाते थे.

अजय देवगन-ऐश्वर्या राय ने 4 फिल्मों में साथ किया काम, पर 20 साल पहले आई इस मूवी जैसा हाल किसी का नहीं हुआ

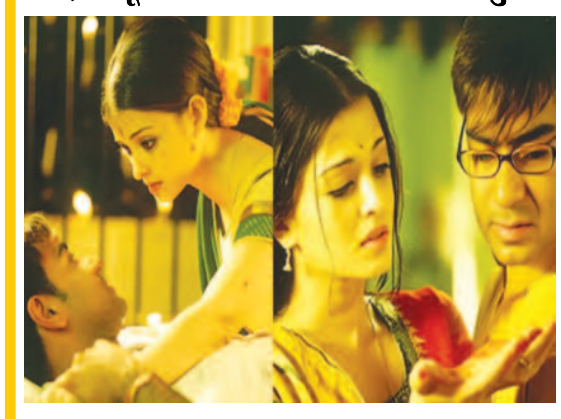

ऐश्वर्या राय और अजय देवगन दोनों ही बॉलीवुड के पॉपुलर स्टार्स में शामिल हैं. दोनों ने अपने काम के दम पर फैंस के बीच खास और अलग पहचान बनाई है. ये जोड़ी कई फिल्मों में साथ भी नजर आई है. पहली बार दोनों को साथ में फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' में देखा गया था. 1999 की इस सुपरहिट पिक्चर में सलमान खान भी लीड रोल में नजर आए थे.इस फिल्म के बाद ऐश्वर्या राय और अजय देवगन ने और भी फिल्में की थीं. रेनकोट नाम की फिल्म जो कि साल 2004 में रिलीज हुई थी, इसमें भी अजय और ऐश्वर्या ने स्क्रीन शेयर की थी. हालांकि बॉक्स ऑफिस पर इस पिक्चर का बहुत बुरा हाल हुआ था. अजय और ऐश्वर्या जैसे दिग्गज स्टार्स के होने के बावजूद रेनकोट अपना बजट तक नहीं वसूल पाई.

20 साल पहले अजय-ऐश्वर्या ने किया था रोमांस

अजय ने रेनकोट में मनोज जबकि ऐश्वर्या ने नीरजा नाम का किरदार निभाया था. अहले अजय और ऐश्वर्या को एक दूसरे से प्यार होता है, लेकिन बाद में ऐश्वर्या की शादी किसी और से हो जाती है. रितुपर्णो घोष के डायरेक्शन में बनी रेनकोट ने 24 दिसंबर 2004 को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी. इसमें अनु कपूर और सुरेखा सीकरी जैसे मशहूर कलाकारों ने भी काम किया था.

जानें बजट और कमाई

रेनकोट से जिस तरह के प्रदर्शन की उम्मीद लगाई जा रही थी फिल्म वैसा जादू टिकट खिड़की पर दिखाने में बेअसर रही. रेनकोट को मेकर्स ने पांच करोड़ रुपये के बजट में बनाया था, जबकि ये पिक्चर वर्ल्डवाइड कमाई के बाद भी सिर्फ 4.8 करोड़ रुपये ही बटोर पाई थी. इस लिहाज से बॉक्स ऑफिस पर रेनकोट सुपर फ्लॉप साबित हुई.

इन फिल्मों में भी साथ दिखें अजय-ऐश्वर्या

'हम दिल दे चुके सनम' और 'रेनकोट' के अलावा दोनों कलाकारों ने साल 2004 में आई 'खाकी' में भी काम किया था. वहीं 2002 की फिल्म 'हम किसी से कम नहीं' में भी अजय और ऐश्वर्या ने स्क्रीन शेयर की थी. इसके अलावा अजय और ऐश्वर्या एक और फिल्म में साथ नजर आ सकते थे. दरअसल दिवंगत एक्टर-डायरेक्टर फिरोज खान ने दोनों को लेकर 'कुर्बान तुझपे मेरी जान' नाम की फिल्म का ऐलान किया था, हालांकि ये पिक्चर बन ही नहीं पाई.

विदेश में

शिल्पा शेट्टी

क्यों चिल्लाई? वायरल वीडियो पर पति राज कुंद्रा ने तोड़ी चुप्पी

शिल्पा शेट्टी इस वक्त अपने एक वायरल वीडियो को लेकर काफी चर्चा में बनी हुई हैं. दरअसल एक्ट्रेस अपना 50वां जन्मदिन सेलिब्रेट करने के लिए अपने पति राज कुंद्रा, दोनों बच्चे, सास-ससुर, मां और बहन शमिता शेट्टी के साथ क्रोएशिया पहुंची. परिवार के अलावा शिल्पा के कुछ खास दोस्त भी उनके साथ जश्न मनाने पहुंचे. इसी बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसे लेकर एक यूजर ने दावा किया है कि शिल्पा और उनके परिवार ने एक विदेशी महिला के साथ बहस की है. अब इस पर राज कुंद्रा का रिएक्शन सामने आया है.राज कुंद्रा ने हिंदुस्तान टाइम्स को बताया कि मैं ऑनलाइन वायरल हो रहे वीडियो के बारे में सिच्यूएशन क्लियर करना चाहता हूं. मैंने अपनी पत्नी का जन्मदिन मनाने के लिए एक साल पहले ही इस रेस्टोरेंट को बुक कर लिया था. दुर्भाग्य से वहां पहुंचने पर हमें बताया गया कि हमारी टेबल दूसरे ग्रुप को दे दी गई है, क्योंकि उन्होंने दावा किया कि एक ही एजेंट की ओर से डबल बुकिंग की गलती हुई है.

खुशी का मौका तमाशे में बदला

राज ने आगे कहा, एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसने रेस्टोरेंट भी चलाए हैं, मुझे सिच्यूएशन से निपटना बहुत निराशाजनक लगा, खासकर तब जब मेरे बुजुर्ग माता-पिता, सास और 20 मेहमान इंतजार कर रहे थे. जो शाम खास होनी चाहिए थी वह बेवजह तनावपूर्ण हो गई और जब हमने अपनी परेशानी बताई तो हमें अचानक चुप रहने के लिए कहा गया, जिससे हमारी निराशा और बढ़ गई. बिजनेसमैन ने अपनी निराशा जाहिर करते हुए कहा कि वो पिछले एक साल से इस छुट्टी की प्लानिंग कर रहे थे. लेकिन खुशी का मौका तमाशे में बदलता देख उन्हें काफी दुख हुआ.

एक साल से प्लानिंग कर रहे थे राज

अपनी बात को पूरा करते हुए राज कुंद्रा ने अंत में कहा कि एक साल से ज्यादा समय से प्लानिंग करने के बाद भी रेस्टोरेंट के मिस-मैनेजमेंट के चलते उनकी शाम खराब हो गई और सारी प्लानिंग पर भी पानी फिर गया. शिल्पा के पति का मानना है.